Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
हिन्दी दैनिक
E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 58
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,27 सितम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 लखनऊ में इंडिया-ए ने आस्ट्रेलिया-ए को हराया,केएल | 4 संवाद से समाधान तकः लेह-लद्दाख में हिंसा का सबक | 5 टॉम क्रूज के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं अमीषा

लखनऊ में सीएम ने छात्रों को दी बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री ने चार लाख विद्यार्थियो को दी 89 करोड़ स्कॉलरशिप

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 3,96,602 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी। इसके लिए 89.96 करोड़ रुपए की धनराशि ऑनलाइन ट्रांसफर की गई। सीएम योगी ने इसके बाद कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज चार लाख से अधिक छात्र, छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं।यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित किया गया, जिससे ये सुनिश्चित हो सके कि छात्रों को समय पर स्कॉलरशिप मिले। छात्रवृत्ति योजना को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ा जाएगा, ताकि किसी व्यक्ति की भूमिका कम हो और गड़बड़ी की संभावना खत्म हो सके। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले छात्रों के साथ अक्सर भेदभाव होता था। कार्यक्रम में सीएम योगी ने बताया कि इस बार एससी, एसटी छात्रों को छात्रवृत्ति के साथ गिफ्ट भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं से स्कूलों में बच्चों के पंजीकरण की संख्या तेजी से बढ़ी है और कोई भी छात्र इस योजना से वंचित नहीं रहेगा। 2016-17 में अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं दी गई थी।हमने स्कॉलरशिप अपनी सरकार में दिया। शिकायत मिली की कुछ क्षेत्रों एसटी छात्रों का डेटा ही अपलोड नहीं हुआ था, जिस वजह से उन्हें स्कॉलरशिप नहीं मिल रही है। दिवाली से पहले इन छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे। स्कॉलरशिप में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका निर्धारित की जा चुकी है।जल्द कार्रवाई होगी। सीएम ने बताया कि सरकार अल्पसंख्यक छात्रों को भी उच्च सुविधाएं दे रही है। छात्रों के लिए हॉस्टल खोले जा रहे हैं और यूनिफॉर्म भी सरकार की ओर से दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा पर सबसे ज्यादा जोर दिया था और शिक्षा ही आज आर्थिक प्रगति का असली पैमाना है। योगी ने कहा,बिना शिक्षा मानव कल्याण संभव नहीं है, इसलिए सरकार छात्रवृत्ति योजनाओं को और मजबूत कर रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा हमारे देश में मौलिक अधिकार है। नई शिक्षा नीति की मदद से शिक्षा को समावेशी बनाया गया है।आने वाले वक्त में एक राष्ट्र-एक स्कॉलरशिप सिस्टम की शुरूआत की जाएगी। कार्यक्रम में मंत्री असीम अरुण और नरेंद्र कश्यप भी मौजूद रहे।

भारतीय वायुसेना ने मिग-21 लड़ाकू विमान को दी अंतिम विदाई

यह हमारे परिवार की तरह है:रक्षा मंत्री

चंडीगढ़ (एजेंसी)। छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे प्रसिद्ध रूसी लड़ाकू विमान मिग-21 को सेवामुक्त करने के लिए शुक्रवार को एक समारोह का आयोजन चंडीगढ़ वायुसेना स्टेशन पर किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित विमान को पहली बार छह दशक से भी अधिक समय पहले यहां से ही वायु सेना में शामिल किया गया था। पैंथर्स उपनाम वाले तेईसवें स्क्वाड्रन के अंतिम मिग-21 विमान को चंडीगढ़ वायुसेना स्टेशन पर आयोजित समारोह में विदाई दी जा रही है। एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह बादल 3 नाम से स्क्वाड्रन की अंतिम उड़ान भरेंगे। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वायुसेना के पूर्व प्रमुख एस पी त्यागी और बी एस धनोआ तथा वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भी मौजूद हैं। भारतीय वायुसेना की विशिष्ट स्काईडाइविंग टीम आकाश गंगा द्वारा शानदार प्रदर्शन किया जाएगा, जो 8,000 फुट की ऊंचाई से स्काईडाइव करेगी। इसके बाद मिग-21 विमानों की शानदार फ्लाईपास्ट होगी। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम भी अपने अद्भुत करतबों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। मिग-21 के बारे में वायुसेना द्वारा हाल में लिखे गए एक पोस्ट में कहा गया था, छह दशकों की सेवा, साहस की अनगिनत कहानियां, एक युद्ध अश्व जिसने राष्ट्र के गौरव को आसमान में पहुंचाया। मिग-21 लड़ाकू विमान लंबे समय तक भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार रहे।

लाडली बहना योजना को लेकर भाजपा नेता ने उठाए सवाल, कहा, फ्री फंड में पैसा बांट रही सरकार

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में भाजपा नेताओं के विवादित बयानों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला विदिशा जिले के कुरवाई से सामने आया है, जहां भाजपा विधायक हरि सिंह सप्रे ने अपनी ही सरकार की योजना पर सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो में सप्रे ने प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना को व्यर्थ बताते हुए कहा कि सरकार फ्री फंड के तहत पैसा बांट रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पैसा सही दिशा में नहीं जा रहा और योजना का लाभ सही तरीके से नहीं पहुंच रहा। विधायक के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है और विपक्ष ने भाजपा पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं विधायक ने किसानों को चेतावनी भी दी कि मुख्यमंत्री के आने के दौरान कोई भी फसल काटने नहीं जाए, अन्यथा परिणाम भुगतने होंगे। बता दें कि लाड़ली बहना योजना मध्यप्रदेश सरकार की एक सामाजिक कल्याण योजना है, जिसका उद्देश्य प्रदेश की महिलाओं, खासकर ग्रामीण और जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत सरकार हर महीने लाभार्थी बहनों के खाते में 1250 रुपए भेज रही है।

दिल्ली में पानी के बिलों पर सरकार का बड़ा फैसला, 16 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगी भारी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाखों परिवारों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। पानी के भारी-भरकम पुराने बिलों से जूझ रही राजधानी की जनता को अब राहत मिलने जा रही है। दिल्ली सरकार ने जल बोर्ड की उस योजना को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत बकाया बिलों में 90 फीसदी तक की छूट दी जाएगी। इससे न सिर्फ उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत मिलेगी, बल्कि लंबे समय से अटके बिलों की वसूली भी संभव हो सकेगी। नई योजना के तहत लगभग 16 लाख उपभोक्ताओं को लाभ मिलने का अनुमान है। खास बात यह है कि दिल्ली जल बोर्ड ने पानी के बिल पर लगने वाले ब्याज दर को 5 फीसदी से घटाकर 2 फीसदी कर दिया है। यही नहीं, एलपीएसई वेवर, यानी लेट पेमेंट सरचार्ज एग्जेम्पशन को अब 100 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा लाभ उन घरेलू और सरकारी उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके बिल लंबे समय से पेंडिंग हैं।

सीएम का बड़ा बयान, सीबीआई जांच कराई तो लटक जाएगी भर्ती प्रक्रिया

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्नातक स्तरीय परीक्षा प्रकरण की सीबीआई

जांच कराई तो सारी भर्ती प्रक्रिया स्थगित हो जाएगी। एससीईआरटी सभागार में आयोजित समारोह के दौरान सीएम ने कहा कि कुछ लोग प्रदेश में भर्तियां लटकाने का षडयंत्र रच रहे हैं। वो पेपर लीक का आरोप लगा भर्तियों को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं, ये लोग चाहते हैं कि पारदर्शी तरीके से भर्तियां न हों। ये वही लोग हैं जो कई मामलों में किसी अन्य प्रकरण पर कहते हैं कि सीबीआई जांच नहीं होनी चाहिए। ऐसा कहते हुए राज्य के कुछ नेताओं को भी देखा होगा लेकिन स्नातक स्तरीय परीक्षा प्रकरण में वे चाहते हैं कि सीबीआई जांच हो। सीएम ने कहा कि सीबीआई जांच की लंबी प्रक्रिया होती है। जो कई साल तक चलती रहती है। ऐसा हुआ तो सारी भर्तियां कई साल तक स्थगित हो जाएंगी। इससे राज्य के उन युवाओं का नुकसान होगा, जो भर्ती के लिए अधिकतम आयु सीमा के नजदीक हैं। सीएम ने कहा कि चार जुलाई 2021 को मुख्य सेवक के पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। उसी दिन पहला संकल्प यह लिया था कि सरकारी विभागों में जितने भी पद खाली हैं, राज्य के युवाओं से उन्हें भरा जाएगा। उस संकल्प को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार भर्ती परीक्षाओं को रुकने न देने के लिए संकल्पबद्ध है।

महिलाओं के खातों में जमा हुए 10 हजार रुपये

हम और नीतीश आपके दो भाई :पीएम

पटाना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार, 26 सितंबर को बिहार में चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब बिहार में लालटेन का युग था, तब भ्रष्टाचार अपने चरम पर था। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनाश के तहत बिहार की 75 लाख महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया। इन महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये जमा किए गए। पीएम मोदी ने कहा, नवरात्रि के इस शुभ अवसर पर मुझे बिहार की नारी शक्ति के साथ उनकी खुशी में शामिल होने का सौभाग्य मिला। आपका आशीर्वाद हमारे लिए अपार शक्ति का स्रोत है। मैं आप सभी का तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूँ। प्रधानमंत्री ने कहा, आज मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरूआत

हुई है, जिसमें अब तक 75 लाख बहनें शामिल हो चुकी हैं। इन सभी के खातों में 10-10 हजार रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। इस दौरान मैं सोच रहा था कि नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार की महिलाओं और बेटियों के लिए कितना महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जब कोई महिला रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ती है, तो उसके सपनों को नई उड़ान मिलती है और समाज में उसकी प्रतिष्ठा बढ़ती है। पीएम ने आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा, उनके शासन में कोई भी घर सुरक्षित नहीं था। महिलाओं को सबसे ज्यादा कष्ट झेलना पड़ा। उन्होंने आरजेडी नेताओं के अत्याचारों को सहा, लेकिन नीतीश सरकार में बेटियां निडर होकर बाहर निकलती हैं। हमने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए उज्ज्वला योजना शुरू की। उन्होंने आगे कहा, जब सरकार महिलाओं को ध्यान में रखकर नीतियाँ बनाती है, तो इसका लाभ समाज के हर वर्ग को मिलता है। उज्ज्वला योजना ने जो बदलाव लाया, उसे पूरी दुनिया देख रही है। श्स्वस्थ नारी, सशक्त परिवारश अभियान के तहत सवा चार लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर गाँवों और कस्बों में आयोजित किए जा रहे हैं, जहाँ खून की कमी, ब्लड प्रेशर, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच हो रही है।

युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही सरकार:राहुल

भाजपा का दूसरा नाम पेपर चोर पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उत्तराखंड में पेपर लीक की ताजा घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए शुक्रवार को कहा कि बार-बार पेपरलीक होने की घटनाओं से युवाओं का सपना तबाह करने वाली भाजपा सरकार श्पेपर चोरश सरकार बन गयी है। राहुल गांधी ने कहा कि अब तक भाजपा वोट चोरी करवाकर सत्ता में आने के षड्यंत्र में लिप्त रही है लेकिन अब इससे भी आगे निकल कर देश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने उत्तराखंड में यूकेएसएसएससी के हाल में हुए पेपर लीक का हवाला दिया और कहा कि पेपर चोर हो चुकी भाजपा युवाओं की मेहनत पर पानी फेर रही है। उन्होंने भाजपा को पेपर चोर नाम देते हुए कहा, आज भाजपा का दूसरा नाम है- पेपर चोर। देशभर में बार-बार होने वाले पेपर लीक ने करोड़ों मेहनती युवाओं की जिंदगी और सपनों को तबाह कर

दिया है। उत्तराखंड का यूकेएसएस एससी पेपर लीक इसका ताजा उदाहरण है। लाखों युवाओं ने दिन-रात मेहनत की लेकिन भाजपा ने चोरी से उनकी पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार मांग कर रही है कि पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाए लेकिन मोदी सरकार इस पर आंखें मूंदकर बैठी है- क्योंकि उन्हें युवाओं की बेरोजगारी की नहीं, बल्कि अपनी सत्ता की चिंता है। उनका कहना था कि बेरोजगारी आज देश की सबसे बड़ी समस्या है और यह सीधे तौर पर वोट चोरी से जुड़ी है।

लेह लद्दाख हिंसा में बड़ा एक्शन: पुलिस ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लेह हिंसा मामले में पुलिस ने शुक्रवार बड़ी कार्रवाई करते हुए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि बुधवार को लेह हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, आगजनी और लोगों के घायल होने की खबर भी सामने आई थी। सोनम वांगचुक को डीजीपी एस,डी, सिंह जामवाल के नेतृत्व वाली लद्दाख पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख को अलग राज्य का दर्जा

और संविधान की छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर आंदोलन के समर्थकों द्वारा किये गए हिंसक विरोध प्रदर्शन के दो दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। इस प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 अन्य घायल हो गए थे।अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एस डी सिंह जामवाल के नेतृत्व में पुलिस दल ने अपरा 2.30 बजे वांगचुक को हिरासत में लिया। वांगचुक पर लगाए गये आरोपों के बारे में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हिंसा का कारण बने उकसावे के लिए वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया है।

हम लोग बिहार के संपूर्ण विकास के लिए लंबी लड़ाई लड़ने को तैयार हैं: तेज प्रताप

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव ने कहा है कि वह बिहार के संपूर्ण विकास के लिए पूर्ण रूप से समर्पित और तत्पर हैं और उनका मकसद बिहार में संपूर्ण बदलाव कर एक नई व्यवस्था का नव निर्माण करना है। राजद से छह साल के लिये निष्काषित तेज प्रताप यादव ने अपनी नयी पार्टी बना ली है। तेजप्रताप यादव ने अपनी पार्टी का नाम श्जनशक्ति जनता दलश रखा है। वह इस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। तेजप्रताप ने अपने एक्स हैंडल पर पार्टी का पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में महात्मा गांधी, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, कपूरी ठाकुर, राममनोहर लोहिया और जय प्रकाश नारायण की तस्वीर है। हालांकि इस तस्वीर में तेजप्रताप के पिता पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी की तस्वीर नहीं है। पार्टी का चुनाव चिन्ह ब्लैक बोर्ड है। पोस्टर के जरिए सामाजिक न्याय, सामाजिक हक और संपूर्ण बदलाव का नारा दिया गया है।

प्रियंका गांधी ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा, 10,000 देकर सम्मान नहीं खरीदा जा सकता

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को अपने बिहार दौरे के दौरान पटना स्थित सदाकत आश्रम में 200 से अधिक महिलाओं से बातचीत की। प्रियंका का ये दौरा आगामी विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के मुद्दों पर केंद्रित रहा, जिसमें उन्होंने सत्ता पक्ष पर सीधा हमला बोला और कांग्रेस की ओर से कई वादे किए।प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनाव से पहले नकद राशि देकर सम्मान नहीं खरीदा जा सकता। उन्होंने कहा,सम्मान ये नहीं है कि आप चुनाव से पहले 10 हजार रुपये दे दें। सम्मान तब होगा जब आपका जीवन सुधरेगा, बच्चियां

सुरक्षित महसूस करेंगी और आवाज उठाने पर आपको न्याय मिलेगा। कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीते 20 वर्षों में सरकार ने महिलाओं को सुरक्षा और बराबरी का अहसास नहीं दिलाया। जब आप आवाज उठाती हैं, तो पुलिस रोकने आ जाती है। क्या आप अपराधी हैं कि आपको पीटा जाता है और थाने ले जाया जाता है? उन्होंने सवाल किया। इस मौके पर प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की योजनाओं का खाका भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं को हर माह 2,500 की सहायता दी जाएगी।

कांग्रेस नेताओं ने मनमोहन सिंह को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि, कहा, विनम्रता एवं ईमानदारी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती पर शुक्रवार को देश के विकास में उनके योगदान को याद किया और कहा कि उनकी विनम्रता एवं ईमानदारी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि उनके साहसिक निर्णय, और मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण में उनका ऐतिहासिक योगदान हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1932 को पंजाब के गाह गांव में हुआ था जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। सिंह ने 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में सेवाएं दीं। 26 दिसंबर, 2024 को उनका निधन हो गया। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, हम राष्ट्र निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को याद करते हैं। वे भारत के आर्थिक परिवर्तन के एक सूत्रधार थे। वह विनम्रता और बुद्धिमत्ता के धनी थे तथा सबके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करते थे और अपने कार्यों से अपनी बातों को ज्यादा प्रभावशाली बनाते थे। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के आर्थिक सुधारों के दृष्टिकोण ने अवसरों के नए द्वार खोले, एक समृद्ध मध्यम वर्ग का निर्माण किया और अनगिनत परिवारों को गरीबी से बाहर निकाला। खरगे ने कहा, वह निष्पक्षता और समावेशिता में गहराई से विश्वास करते थे और यह सुनिश्चित करते थे कि लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले कल्याणकारी उपायों के माध्यम से विकास और करुणा साथ-साथ चलें। उनके नेतृत्व ने हमें दिखाया कि सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी न केवल संभव है, बल्कि शक्तिशाली भी है। उनके मुताबिक, भारत की पीढ़ियों के लिए वह ईमानदारी, बुद्धिमत्ता और राष्ट्र के प्रति निरूस्वार्थ सेवा के एक चिरस्थायी प्रतीक बने रहेंगे तथा एक मजबूत और अधिक समावेशी भारत की आकांक्षाओं वाली उनकी विरासत जीवित रहेगी।

मोटर ट्रॉली से निरीक्षण करते हुये रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना साथ में अन्य अधिकारी

गोरखपुर,: परिचालनिक सुगमता हेतु मूलभूत ढ़ाँचे में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्वोत्तर रेलवे के डोमिनगढ़-गोरखपुर जं.-गोरखपुर कैंट-कुसम्ही तीसरी लाइन तथा गोरखपुर जं.-नकहा जंगल दोहरीकरण परियोजना (22 किमी.) रू. 520 करोड़ की लागत से पूर्ण की गई है। इस परियोजना के अन्तर्गत अन्तिम चरण में गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ (04 किमी.) तीसरी लाइन तथा गोरखपुर-नकहा जंगल (05 किमी.) दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना ने 26 सितम्बर, 2025 को इस नवनिर्मित तीसरी लाइन तथा दोहरीकरण का निरीक्षण तथा सफल स्पीड ट्रायल किया। गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ तीसरी लाइन तथा गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण एवं गोरखपुर जं. स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) के डिस्मेंटल कार्य में लगभग 250 विभागीय और संविदा कर्मचारी कार्यरत थे। सभी कार्यों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप निष्पादित किया गया है। डोमिनगढ़-गोरखपुर जं.-गोरखपुर कैंट-कुसम्ही तीसरी लाइन तथा गोरखपुर जं.-नकहा जंगल दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में नकहा जंगल यार्ड; द्वितीय चरण में गोरखपुर कैंट-कुसम्ही (9.80 किमी.); तृतीय चरण में डोमिनगढ़ यार्ड; चौथे चरण में गोरखपुर जं.-गोरखपुर कैंट (3.5 किमी.) तथा पाँचवे एवं अन्तिम चरण में गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ (04 किमी.) तीसरी लाइन तथा गोरखपुर-नकहा जंगल (05 किमी.) दोहरीकरण का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। डोमिनगढ़-गोरखपुर जं.-गोरखपुर कैंट-कुसम्ही तीसरी लाइन तथा गोरखपुर जं.-नकहा जंगल दोहरीकरण परियोजन के अन्तर्गत डोमिनगढ़, गोरखपुर जं., गोरखपुर कैंट, कुसम्ही तथा नकहा जंगल स्टेशनों पर ट्रेनों का संचलन अब इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ई.आई.) प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। डिजिटलाइजेशन की दिशा में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ट्रेनों के संचालन को संरक्षित एवं सुगम बनाती है। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में मानवीय त्रुटि की सम्भावना को कम करता है, जिससे संरक्षा में सुधार होता है, यह सिस्टम तेजी से कार्य करता है जिसके फलस्वरूप ट्रेनों का आवागमन बेहतर होता है, इसका मेंटेनेंस कम है, भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये इस सिस्टम को अपडेट करना तीसरी लाइन के निर्माण से लाइन क्षमता में वृद्धि होगी एवं मांग के अनुरूप ट्रेनें अधिक संख्या में तीव्र गति से चलाई जा सकेंगी। यात्री ट्रेनों का संचलन और अधिक सुचारू रूप से होगा, समय पालन में सुधार होगा। इसके साथ ही इस रेल खंड पर चलने वाली मालगाड़ियों के संचलन समय में भी कमी आयेगी, जो व्यापारियों/उद्यमियों के लिये उपयोगी सिद्ध होगा।

वाराणसी में सपा सांसद वीरेंद्र सिंह बोले, गरीबों को शीघ्र उपलब्ध कराएं घरौनी

वाराणसी। सांसद ने कहा कि वर्तमान में मुख्य चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत मतदाता सूची का पुनरीक्षण करने जा रहा है। इस प्रक्रिया में गरीब एवं भूमिहीन नागरिकों के लिए अपनी नागरिकता साबित करना अत्यंत कठिन होगा। चंदौली के सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि गरीबों को शीघ्र घरौनी उपलब्ध कराया जाए ताकि गरीब समाज विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के समय अपनी नागरिकता साबित कर सकें। शुक्रवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से कहा कि आज मंडलायुक्त एस राज लिंगम से मुलाकात कर उनसे मांग की गई कि गरीब भूमिहीन एवं वंचित समाज को शीघ्र घरौनी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक वर्ग के गरीबों को घरौनी से वंचित कर उनकी नागरिकता संदिग्ध बनाने की साजिश रची जा रही है, ताकि उनके नाम मतदाता सूची और राशन कार्ड से हटाया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार गरीबों को घरौनी देने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ नहीं करती है तो वह आंदोलन को मजबूर होंगे पूर्व गरीबों की अवैध मालिकाना हक का प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं करती तो हम सभी जनप्रतिनिधि मजबूर होकर चुनाव आयोग किस प्रक्रिया का विरोध एवं बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे।

गन्ना क्रय केंद्र खोलने के लिए भाकियू का धरना जारी

बस्ती। हरैयां के भेलमापुर में गन्ना क्रय केंद्र खोलने की मांग पर भाकियू का धरना सातवें दिन भी जारी रहा। सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश पटेल ने धरने का समर्थन किया। प्रशासन की उदासीनता से किसानों में आक्रोश है। हरैयां। भेलमापुर में गन्ना क्रय केंद्र खोलने की मांग को लेकर तहसील परिसर में भाकियू का धरना सातवें दिन भी जारी रहा। बृहस्पतिवार को धरने में सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश पटेल पहुंचे और किसानों की मांगों को जायज बताते हुए धरने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता कई दिनों से धरने पर बैठे हैं, लेकिन प्रशासन किसानों की उचित मांगों पर उदासीन बना हुआ है। बृजेश पटेल ने यह भी कहा कि सरदार सेना के कार्यकर्ता किसानों के हक व न्याय मिलने तक धरने से नहीं हटेंगे और शुक्रवार को भी धरने में शामिल होंगे। तहसील उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश दूबे ने आरोप लगाया कि गन्ना विभाग के अधिकारी क्रय केंद्र खोलने के बजाय गन्ना माफियाओं से साठगांठ कर रहे हैं। तहसील अध्यक्ष रामपाल सिंह ने कहा कि किसानों के हक के लिए आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर सीताराम चौधरी, सुनील कुमार, राजेंद्र चौधरी, दिनेश पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

मतदाता सूची विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की दी जानकारी

बस्ती। भानपुर के रुधौली तहसील सभागार में बीएलओ और पर्यवेक्षकों का विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रशिक्षण संपन्न हुआ। अधिकारियों ने समय पर मतदाता सूची में सुधार और सत्यापन पर जोर दिया। इससे त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करने का लक्ष्य है। भानपुर। रुधौली तहसील सभागार में बुधवार को आयोजित दो पालियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ बीएलओ और पर्यवेक्षकों का विशेष प्रगाढ़ मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में रुधौली विधानसभा क्षेत्र 309 के बूथ संख्या 302 से 478 तक के बीएलओ और पर्यवेक्षक शामिल रहे। इस अवसर पर एसडीएम हिमांशु कुमार ने बीएलओ के बीच जाकर सभी से बात की और कार्यों की समीक्षा की और शेष कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बीएलओ को अपने-अपने बूथों पर जाकर घर-घर मतदाता सूची का सत्यापन करना है, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने और मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया समय पर पूरी करनी है। इसके अलावा, फोटो सूची में धुंधली या अस्पष्ट फोटो को बदलना और मतदाताओं के पते, आयु व पहचान पत्र से संबंधित त्रुटियों को तत्काल सुधारना अनिवार्य है, ताकि त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार की जा सके। मौके पर सभी बीएलओ और पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

स्वास्थ्य केंद्र में शिविर लगाकर 354 लोगों का किया उपचार

बस्ती। कलवारी, बस्ती के बहादुरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। शिविर में 354 ग्रामीणों का विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा जांच और उपचार किया गया। इससे ग्रामीणों में स्वास्थ्य जागरूकता और जांच की रुचि बढ़ी। कलवारी, बस्ती। रामजानकी मार्ग पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर में स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत वृहस्पतिवार को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। चिकित्सकों ने 354 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें दवा वितरित की। शिविर में आयुर्वेद और होम्योपैथ पद्धति से भी उपचार किया गया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शैलेंद्र दूबे ने शिविर का उद्घाटन किया और अभियान की ग्रामीण क्षेत्र में महत्वपूर्णता बताई। डॉ. पवन वर्मा ने बताया कि महिला चिकित्सक ने 42, शिशु बाल रोग विशेषज्ञ 14, हड्डी रोग विशेषज्ञ 23, नेत्र चिकित्सक 26, मेडिसिन विशेषज्ञ 97, जनरल सर्जन 39, चर्म रोग विशेषज्ञ 18 और मानसिक रोग विशेषज्ञ 9 रोगियों का इलाज किया। आयुर्वेद से 46 और होम्योपैथ से 38 रोगियों का उपचार हुआ। वहीं आठ लोगों ने एक्स-रे और 55 लोगों ने खून संबंधी जांच कराई। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय चौरसिया, प्रेम प्रकाश चौधरी, डॉ. मनोज कुमार, घनश्याम सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहार पर यात्रियों की मांग पर 09061/09062 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन बांद्रा टर्मिनस से 22 सितम्बर से 06 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को तथा बरौनी से 25 सितम्बर से 09 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को 03 फेरों के लिये चलाने की सूचना पूर्व में जारी की गयी थी। यात्री जनता की मांग पर इस गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार तथा रेक संरचना में परिवर्तन किया गया है। अब यह गाड़ी बान्द्रा टर्मिनस से 24 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को तथा बरौनी से 27 नवम्बर तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को संशोधित संरचना के साथ निम्नवत चलायी जायेगी। 09061 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 24 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 21.20 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 21.50 बजे, पालघर से 22.35 बजे, वापी से 23.36 बजे, वलसाड से 23.56 बजे दूसरे दिन सूरत से 01.41 बजे, वडोदरा से 03.12 बजे, रतलाम से 06.50 बजे, रामगंज मंडी से 10.10 बजे, कोटा से 11.15 बजे, गंगापुर सिटी से 13.30 बजे, भरतपुर से 17.05 बजे, मथुरा जं0 से 20.05 बजे, कासगंज से 22.00 बजे, फरूखाबाद से 23.35 बजे तीसरे दिन कानपुर सेन्ट्रल से 03.20 बजे, लखनऊ से 04.30 बजे, सुल्तानपुर से 06.35 बजे, जौनपुर जं0 से 07.40 बजे, वाराणसी से 10.10 बजे, पं0 दीनदयाल उपाध्याय जं0 से 11.30 बजे, बक्सर से 12.42 बजे, आरा से 13.40 बजे, दानापुर से 14.12 बजे, पाटलिपुत्र से 15.10 बजे, सोनपुर से 15.40 बजे, हाजीपुर से 15.55 बजे तथा शाहपुर पटोरी से 16.52 बजे छूटकर बरौनी 19.15 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 09062 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को बरौनी से 12.15 बजे प्रस्थान कर शाहपुर पटोरी से 12.52 बजे, हाजीपुर से 14.50 बजे, सोनपुर से 15.02 बजे, पाटलिपुत्र से 15.50 बजे, दानापुर से 16.30 बजे, आरा से 17.04 बजे, बक्सर से 17.46 बजे, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. से 19.55 बजे, वाराणसी से 20.35 बजे, जौनपुर जं0 से 22.25 बजे, सुल्तानपुर से 23.35 बजे, दूसरे दिन लखनऊ से 01.10 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 02.25 बजे, फरूखाबाद से 05.40 बजे, कासगंज से 07.20 बजे, मथुरा जं0 से 09.35 बजे, भरतपुर से 11.10 बजे, गंगापुर सिटी से 12.30 बजे, कोटा से 15.00 बजे, रामगंज मंडी से 15.55 बजे, रतलाम से 19.35 बजे, वडोदरा से 23.42 बजे, तीसरे दिन सूरत से 02.32 बजे, वलसाड से 03.25 बजे, वापी से 03.46 बजे, पालघर से 05.02 बजे तथा बोरीवली से 05.34 बजे छूटकर बांद्रा टर्मिनस 06.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 16 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

दुकान के नाम पर नेगी ने 19 लाख हड़पे

कानपुर। रेरा ने गजेंद्र सिंह नेगी के खिलाफ 19 लाख रुपये की आरसी जारी की थी। इस पर एसडीएम सदर ने कुर्की की नोटिस चस्पा करने के लिए टीम भेजी। इसकी जानकारी मिलते ही नेगी दुकान की ली गई पूरी धनराशि लेकर पहुंच गए। टीम ने ब्याज समेत कुल 21.23 लाख रुपये की वसूली की। कानपुर में सदर तहसील की टीम की ओर से चलाए जा रहे विशेष वसूली अभियान के तहत गुरुवार को केशवपुरम स्थित नेगी डेवलपर्स से 21 लाख की वूसली की गई। दरअसल, टीम यहां रेरा (रियल एस्टेट रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट एक्ट) के तहत कुर्की का नोटिस चस्पा करने

पहुंची थी। कार्रवाई के डर से डेवलपर्स की ओर से दुकान के नाम पर हड़पे गए 19 लाख रुपये ब्याज समेत कुल 21.23 लाख रुपये चुका दिए गए। टीम ने अन्य स्थानों पर कार्रवाई कर कुल 1.05 करोड़ रुपये की वसूली की। केशवपुरम स्थित नेगी डेवलपर्स को एक व्यक्ति ने दुकान खरीदने के बदले 19 लाख रुपये दिए थे। नेगी ने पैसे तो ले लिए लेकिन दुकान पर कब्जा नहीं दिया। पीड़ित ने रेरा में वाद दायर कर दिया। रेरा ने गजेंद्र सिंह नेगी के खिलाफ 19 लाख रुपये की आरसी जारी की थी। ब्याज समेत कुल 21.23 लाख रुपये की वसूली इस पर एसडीएम सदर ने गुरुवार को कुर्की की नोटिस चस्पा करने के लिए तहसीलदार सदर विनय कुमार, नायब तहसीलदार रश्मि सिंह संग्रह अमीन ध्रुव नारायण द्विवेदी और मनोज दीक्षित की टीम भेजी। इसकी जानकारी मिलते ही नेगी दुकान की ली गई पूरी धनराशि लेकर पहुंच गए। टीम ने ब्याज समेत कुल 21.23 लाख रुपये की वसूली की। इसके साथ टीम ने अन्य बकायेदारों से भी वसूली की।

छह जगह शुरू हुई टिकटों की ऑफलाइन बिक्री, 100 से लेकर 499 तक के हैं टिकट

कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम में होने वाले इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के मैचों के लिए शुक्रवार से छह अलग-अलग स्थानों पर ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। टिकटों की कीमत 100 रुपये से 499 रुपये तक है, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों में काफी उत्साह है। ग्रीनपार्क स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाले तीनों वनडे मैच के लिए मंगलवार रात साढ़े नौ बजे से बुक माय शो पर टिकट की ऑनलाइन बुकिंग शुरू की गई थी। बुधवार तक करीब एक लाख रुपये के टिकट बिक गए थे। शहर में क्रिकेट प्रेमियों के उत्साह को देखते हुए शुक्रवार से अलग-अलग स्थान पर ऑफलाइन टिकट की बिक्री शुरू हो गई है। टूर्नामेंट डायरेक्टर डॉक्टर संजय कपूर ने बताया कि उप्र क्रिकेट एसोसिएशन शुक्रवार से ग्रीनपार्क स्टेडियम सहित शहर के छह स्थानों पर सुबह 11 बजे से ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू हुई है। यहां 100 से लेकर 499 रुपये तक के टिकट मिल रहे हैं। पवेलियन बालकनी, वीआईपी पवेलियन की टिकट 499 रुपये की है। पवेलियन ग्राउंड की टिकट 250 रुपये, सी बालकनी की टिकट 200 रुपये तथा बी जनरल व सी स्टाल की टिकट 100 रुपये की हैं। ग्रीनपार्क के अलावा बाटू टेलीफोन प्वाइंट लाजपतनगर और गोविंदनगर, यूनीसेफ

मोबाइल लालबंगला, स्माइल स्टोर बिरहाना रोड, हीरा टेली कम्युनिकेशन कल्याणपुर, ड्रीम्स टेलीशॉप यशोदानगर से टिकट बिक्री हो रही है।

वाराणसी शहर की 240 प्रतिमाओं का विसर्जन 20 कुंड में होगा

वाराणसी। देवी प्रतिमाओं के विसर्जन पर कहा कि रामनगर की सभी मूर्तियां रामनगर के बलुआघाट पर विसर्जित की जाएंगी। वरुणा पार जोन की प्रतिमाएं खड़गपुर तालाब में विसर्जित की जाएंगी। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने कहा कि आठों जोन की 240 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन 20 कुंड, तालाब में होगा। शुक्रवार को नगर निगम में पत्रकारों से कहा कि देवी प्रतिमाओं के तालाब और कुंडों में विसर्जन के तहत निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि शहर के 20 कुंडों और तालाबों में प्रतिमाएं विसर्जित की जाएंगी। देवी प्रतिमाओं के विसर्जन पर कहा कि रामनगर की सभी मूर्तियां रामनगर के बलुआघाट पर विसर्जित की जाएंगी। वरुणा पार जोन की प्रतिमाएं खड़गपुर तालाब में विसर्जित की जाएंगी। ऋषि मांडवी जोन की मूर्तियां रेवागीर पोखरा और विश्व सुंदरी पुल के पास विसर्जित की जाएंगी। भेलूपुर जोन में स्थापित प्रतिमाएं विश्वसुंदरी पुल, जलकल परिसर और चितईपुर कुंड में विसर्जित की जाएंगी। आदमपुर जोन की प्रतिमाएं धनेसरा तालाब, मछोदरी पार्क कुंड और डोमरी पुल के नीचे विसर्जित की जाएंगी। दशाश्वमेध जोन की प्रतिमाएं लक्ष्मीकुंड में विसर्जित की जाएंगी। कोतवाली जोन की प्रतिमाएं मंदाकिनी कुंड कंपनी गार्डेन में विसर्जित की जाएंगी और सारनाथ जोन की प्रतिमाएं मवैया पोखरा, मवैया पुराना आरटीओ तिराहा के पास विसर्जित की जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

सुल्तानगंज-कटोरिया रेल लाइन का काम होगा शुरू, शिव भक्तों को सौगात

नई दिल्ली : भारतीय रेल ने बिहार के सुल्तानगंजझकटोरिया रेल लाइन का काम चालू करने का फैसला लिया है। इससे भागलपुर और देवघर सहित पूरे देश के शिव भक्तों को रेलगाड़ी के माध्यम से सफर करने

में आसानी होगी। इस परियोजना की कुल लंबाई 74.8 किलोमीटर है और यह असरगंज, तारापुर और बेलहर के रास्ते में पड़ती है। इस प्रस्तावित रेल खंड में सुल्तानगंज और कटोरिया के साथ-साथ असरगंज, तारापुर, बेलहर, श्रीनगर और सूयाबथान में ठहराव दिया गया है। कटोरिया एक जंक्शन स्टेशन बनेगा, अभी कटोरिया स्टेशन बांका जसीडीह रेल लाइन पर पड़ता है। परियोजना के पूरा हो जाने पर प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालुओं के जल लेकर देवघर तक जाने में आसानी होगी। पूरी परियोजना पर नवीनतम अनुमानों के मुताबिक लगभग 1261 करोड़ रुपये की लागत आएगी। अभी सुल्तानगंज से देवघर की दूरी वाया भागलपुर,बांका,कटोरिया लगभग 160 किलोमीटर है जो नई लाइन के बन जाने के बाद घटकर लगभग 101 किलोमीटर हो जाएगी जिससे सुल्तानगंज और देवघर के बीच कनेक्टिविटी और भी बेहतर होगी।

ये गाड़ियाँ पूर्ववत चलाई जायेंगी तथा गाड़ी का निरस्तीकरण एवं शार्ट टर्मिनेशन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु मूलभूत ढ़ाँचे में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ तीसरी लाइन तथा गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण परियोजना की कमीशनिंग के परिप्रेक्ष्य में नॉन-इंटरलॉक कार्य पूरा होने के कारण पूर्व में निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित निम्नलिखित गाड़ियों के संचलन को बहाल कर दिया गया है। ये गाड़ियाँ पूर्ववत चलाई जायेंगी तथा गाड़ी का निरस्तीकरण एवं शार्ट टर्मिनेशन निम्नवत किया जायेगा।

संचलन बहाल-

-गोंडा से 28 एवं 29 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 55094 गोंडा-गोरखपुर सवारी गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गोरखपुर से 29 एवं 30 सितम्बर तथा 01 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 55073 गोरखपुर-बढ़नी सवारी गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गोंडा से 29 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 75108 गोंडा-नकहा जंगल डेमू गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-नकहा जंगल से 29 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 75115 नकहा जंगल-नौतनवा डेमू गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-नौतनवा से 30 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 75116 नौतनवा-गोरखपुर डेमू गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गोरखपुर से 30 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 75117 गोरखपुर-बढ़नी डेमू गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-बढ़नी से 30 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 75118 बढ़नी-गोरखपुर डेमू गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

निरस्तीकरण-

-सीतापुर सिटी से 30 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 55092 सीतापुर सिटी-गोंडा सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

शार्ट टर्मिनेशन-

-गोंडा से 28 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 75108 गोंडा-नकहा जंगल डेमू गाड़ी नकहा जंगल के स्थान पर बढ़नी स्टेशन पर यात्रा समाप्त करेगी तथा नकहा जंगल-बढ़नी के मध्य निरस्त रहेगी।

2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को निम्नवत चलायी जायेगी

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्री जनता की मांग पर 09041/09042 उधना-बलिया-उधना साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन उधना से 25 सितम्बर से 09 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को तथा बलिया से 26 सितम्बर से 10 अक्टूबर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 03 फेरों के लिये चलाने की सूचना पूर्व में जारी की गयी थी। यात्री जनता की मांग पर इस गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार किया गया है। अब यह गाड़ी उधना से 25 सितम्बर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को तथा बलिया से 26 सितम्बर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को निम्नवत चलायी जायेगी। फलस्वरूप 09041 उधना-बलिया साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 25 सितम्बर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को उधना से 06.40 बजे प्रस्थान कर सूरत से 07.05 बजे, भरूच से 07.47 बजे विश्वामित्री जं0 से 08.35 बजे, वडोदरा से 09.00 , गोधरा से 11.10 बजे, दाहोद से 12.14 बजे, रतलाम से 13.45 बजे, नागदा से 14.40 बजे, उज्जैन से 16.05 बजे, सुजालपुर से 18.00 बजे, संत हिरदाराम से 19.15 बजे, बिदिशा से 20.35 बजे, गंजबसोदा से 21.05 बजे, बीना से 22.10 बजे, दूसरे दिन ललितपुर से 00.10 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 झांसी से 02.15 बजे, उरई से 03.42 बजे, गोविन्दपुरी से 06.55 बजे, फतेहपुर से 08.00 बजे, प्रयागराज जं0 से 10.20 बजे, मिर्जापुर से 11.50 बजे, चुनार से 12.20 बजे, वाराणसी से 14.45 बजे, जौनपुर से 16.45 बजे, औड़िहार से 17.47 बजे तथा गाजीपुर सिटी से 18.47 बजे छूटकर बलिया से 20.15 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 09042 बलिया-उधना साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 26 सितम्बर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को बलिया से 23.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन गाजीपुर सिटी से 00.15 बजे, औड़िहार से 01.07 बजे, जौनपुर से 03.25 बजे, वाराणसी से 05.20 बजे, चुनार से 08.17 बजे, मिर्जापुर से 09.02 बजे, प्रयागराज जं0 से 11.20 बजे, फतेहपुर से 13.20 बजे, गोविन्दपुरी से 14.55 बजे, उरई से 16.50 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 झांसी से 18.25 बजे, ललितपुर से 19.40 बजे, बीना से 22.30 बजे, गंजबसोदा से 23.03 बजे, विदिशा से 23.32 बजे, तीसरे दिन संत हरदाराम से 00.50 बजे, सुजालपुर से 01.29 बजे, उज्जैन से 03.50 बजे, नागदा से 04.42 बजे, रतलाम से 05.30 बजे, दाहोद से 07.03 बजे, गोधरा से 08.32 बजे, विश्वामित्री से 10.07 बजे, भरूच से 11.15 बजे तथा सूरत से 12.20 बजे छूटकर उधना 12.45 बजे पहुँचेगी।

ईएसआईसी से जुलाई में जुड़े 20.36 लाख नए कर्मचारी, आधे से अधिक 25 वर्ष से कम उम्र के

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने जुलाई में 20.36 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा है। यह इस साल जून की तुलना में पांच प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दशार्ता है। श्रम मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी नवीनतम पेरोल आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। बयान में कहा गया है कि जुलाई में 31,146 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है। इससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। 48.37 प्रतिशत कर्मचारी 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के ईएसआईसी के अनंतिम पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई में 20.36 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। वहीं जून में ईएसआईसी ने 19,37,314 सदस्य जोड़े। आंकड़ों पता चलता है कि माह के दौरान जोड़े गए कुल 20.36 लाख कर्मचारियों में से 9.85 लाख कर्मचारी, जो कुल पंजीकरण का लगभग 48.37 प्रतिशत है, 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के हैं।

संक्षिप्त समाचार

उच्चदाब उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने एफओसी का होगा विस्तार

ग्वालियर। आंधी-बारिश या तूफान आए या कैसी भी परिस्थिति हो उच्च दाब औद्योगिक उपभोक्ताओं को हर समय निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलेगी। इसके लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी एफओसी का विस्तार करने जा रही है। जानकारी के अनुसार बिजली कंपनी ने भोपाल वृत्त के मंडीदीप, ग्वालियर के मानलपुर एवं बिलौआ और मुरैना के बानमोर आदि औद्योगिक क्षेत्रों में उच्च दाब औद्योगिक उपभोक्ताओं की विद्युत सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए गठित अतिरिक्त एफओसी की सेवाओं में दिसंबर तक विस्तार करने का निर्णय लिया है। इससे 24 घंटे-सातों दिवस गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिलेगी।

वार्ड 34 में चलाया स्वच्छता अभियान

ग्वालियर। सभापति ने वार्ड 34 में स्वच्छता अभियान चलाकर आमजन को स्वच्छता की शपथ दिलाई एवं पौधरोपण भी किया और कहा कि शहर को साफ व स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हमारी है। इस अवसर पर उप नेता प्रतिपक्ष रवि तोमर, गौरव कुलश्रेष्ठ, जितेंद्र जैन, तिलक राज बेरी, अमित सूरी, अनु तोमर, जगदीश गुप्ता, सुभाष भटनागर, सुनीता यदुवंशी सहित क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

महिला सशक्त होगी तो देश सशक्त होगा

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ग्वालियर द्वारा स्वदेशी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका समापन गुरुवार को जिलाधीश रूचिका चौहान ने किया। इस मौके पर जिलाधीश ने कहा कि महिलाओं की क्षमता को पहचान कर यदि हम उन्हें सहयोग करें तो वह दिन रात पूरी लगन और निष्ठा के साथ काम करके सफलता हासिल करती हैं। हम महिला उद्यमियों को इस प्रकार आगे बढ़ाएं कि वे अपना स्केल डबलप करें और परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत कर सकें। स्वागत भाषण निधि अग्रवाल ने दिया। कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने प्रदर्शनी की जानकारी अतिथियों को प्रदान की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संभागीय महामंत्री मुकेश जैन, संयुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।

कांग्रेस लीगल सेल में चार सदस्य मनोनीत

ग्वालियर। कांग्रेस लीगल सेल के जिला अध्यक्ष विकास शर्मा एडवोकेट ने गुरुवार को चार नए अभिभाषक सदस्य मनोनीत किए हैं। इनके नाम हेमंत कुमार, शाहरुख खान, मुकेश केवरे और आरिफ खान हैं। राजा यादव, देशराज भारद्वाज, विनोद शर्मा,असलम, शिवा तोमर, अंकित वशिष्ठ,राय तिवारी आदि मौजूद रहे।

एकात्म मानववाद का उद्घोष है सर्वे भवंतु सुखिनः प्रो. बांदिल

■ ग्वालियर

भाजपा ग्वालियर महानगर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बाल भवन में संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र बांदिल ने कहा कि एकात्म मानववाद वही है जो हजारों वर्षों से हिंदू धर्म का दर्शन या उद्घोष रहा है, अर्थात् सर्वे भवंतु सुखिनः।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने कहा कि दीनदयाल जी ने अपने जीवन में गरीबों और वंचितों को ध्यान में रखकर एकात्म मानववाद के विचार को रखा है उसमें पंचायत और पिछड़ों को अपनाया है। संगोष्ठी को भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सभापति मनोज तोमर, जिला महामंत्रीद्वय विनोद शर्मा, राजू पलैया, बिरजू शिवहरे, रेशु राजावत, विनोद अष्टैया सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विनय जैन ने किया एवं आभार धारासिंह सेंगर ने व्यक्त किया।

पंडित उपाध्याय की जयंती पर रोपा पौधा

पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनसंघ के प्रमुख विचारक और एकात्म मानववाद के प्रणेता थे। उन्होंने अंत्योदय का सिद्धांत दिया, जिसका अर्थ है समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान। यह बात गुरूवार को भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अभय चौधरी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर महाराजा मानसिंह मंडल द्वारा चंदनपुरा के वार्ड क्रमांक 16 शक्ति केंद्र पर सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में कही। इस दौरान उन्होंने एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश शेखावत, योगेंद्र सिंह तोमर, पार्षद महेन्द्र, धर्मेंद्र आर्य आदि उपस्थित रहे।

जयंती मनाई

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर भाजपा रामकृष्ण मंडल के बूथ क्रमांक 301 , वार्ड क्रमाक 60 मॉडल टाउन में विवेक दांतरे रामकृष्ण मंडल मीडिया प्रभारी के यहां पर कार्यक्रम आयोजित किया । मुख्य अतिथि सुबोध दुबे ने पंडित जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचार व्यक्तिव और जीवन पर चर्चा की। आरके दांतरे, बूथ के वरिष्ठ कार्यकर्ता, राजेश शर्मा, प्रतीक सोनी, प्रशांत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बीएसएफ के श्वानों ने दिखाया अनुशासन और दक्षता

■ ग्वालियर

उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में गुरुवार खण्डपीठ-ग्वालियर में राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केन्द्र बीएसएफ टेकनपुर द्वारा डॉग परफॉर्मेंस शो आयोजित किया गया। खण्डपीठ के प्रशासनिक न्यायाधिपति आनंद पाठक के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रशिक्षित श्वानों की क्षमता, अनुशासन और समाज व देशहित में उनके उपयोग की महत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में प्रदर्शित कुत्तों ने न केवल अपने अनुशासित व्यवहार और सुरक्षा कार्यों में दक्षता दिखाई, बल्कि दर्शकों को मानव-पशु संबंधों के महत्व की भी जानकारी दी। शो के माध्यम से यह समझा गया कि कैसे ये यौद्धा देश की सुरक्षा में योगदान देते हैं और उनके प्रशिक्षण से मिलने वाले अनुभव सीधे सुरक्षा एजेंसियों के काम में लाभकारी साबित होते हैं। निरीक्षक कपिल देव और उनकी टीम ने प्रशिक्षित कुत्तों के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए लगभग 700 आगंतुक उपस्थित रहे।खण्डपीठ अधिकारियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल सुरक्षा बलों की कार्यप्रणाली को उजागर करते हैं, बल्कि आमजन में भी सुरक्षा और प्रशिक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। प्रदर्शन के दौरान दिखाए गए अभ्यास और प्रशिक्षण ने दर्शकों को यह एहसास दिलाया कि प्रशिक्षित श्वान सुरक्षा तंत्र में कितने अहम भूमिका निभाते हैं।इस अवसर पर न्यायाधिपति आनंद पाठक, जी. एस. अहलूवालिया, अनिल वर्मा, मिलिंद रमेश फड़के सहित अन्य न्यायाधिपतिगण मौजूद रहे।

सुरक्षा व प्रशिक्षण की महत्ता पर दिया जोर

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को दबोचा

■ ग्वालियर

थाटीपुर में दुष्कर्म कर फरार हुए आरोपी बीएसएफ जवान को पुलिस ने इंदौर की ओमेक्स सिटी से गिरफ्तार किया है।

उल्लेखनीय है कि फरियादिया रश्मि (परिवर्तित नाम) निवासी थाटीपुर ने शिकायत की थी कि उसके दूर का चाचा राजेश सोलंकी का घर पर आना जाना था और राजेश ने 03 साल पहले मई 2022 में मुझे शादी का झांसा देकर मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाये और मैंने कई बार उसका विरोध किया, लेकिन राजेश नहीं माना उसने मुझसे कहा कि अगर तूने ये बात किसी को बताई तो मेरे पास तेरी वीडियो हैं उन्हे वायरल कर तुझे बदनाम कर दूंगा तो डर के कारण यह बात मैंने किसी को नही बताई। फिर मेरी सगाई होने के बाद उसने शादी न होने देने के साथ ही परिजन को जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस को पड़ताल के दौरान पता चला कि आरोपी 38 बटालियन बीएसएफ जैसलमेर में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। जिस पर से पुलिस टीम द्वारा आरोपी की तलाश 38 बटालियन बीएसएफ जेसलमेर में की गई यहां से पता चला कि आरोपी छुट्टी पर गया है। पुलिस ने उसे घर पर तलाश किया तो मालूम चला कि राजेश सोलंकी इंदौर में ओमेक्स सिटी में रह रहा है। इस पर पुलिस ने उसे दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया।

दीपावली से पहले करें स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था

ग्वालियर। दीपावली के पहले शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को लेकर जनप्रतिनिधियों में व्याप्त नाराजगी को दूर करने के लिए निगमायुक्त संघप्रिय ने समीक्षा की। साथ ही स्मार्ट सिटी व नगर निगम के अधीक्षण यंत्री विद्युत व प्र. सहायक यंत्री को निर्देशित किया है। कि वर्तमान समय में बहुतायत संख्या में स्ट्रीट लाइट बंद है अथवा खराब हैं, जिससे अधिकांश क्षेत्रों में अंधकार विद्यमान है, जिस कारण जनप्रतिनिधियों के समक्ष निगम की छवि धूमिल हो रही है और दीपावली व अन्य पर्वों को दृष्टिगत रखते हुए उपलब्ध संसाधनों से स्ट्रीट लाइट संधारण हेतु संयुक्त रूप से साप्ताहिक कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई करें। साथ ही प्रति सप्ताह कार्य की समीक्षा कराई जाए और प्रकाश व्यवस्था को निर्वाध संचालित रखें।

स्वास्थ्य शिविरों में हुई 2136 महिलाओं की जांच

■ ग्वालियर

जिले में चल रहे स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान और सेवा पखवाड़े के आठवें दिन गुरुवार को सुरक्षित मातृत्व को समर्पित रहा। इस अवसर पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 17 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए, जिनमें 2136 महिलाओं सहित 5225 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार की सेवाएं प्राप्त कीं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार को आयोजित शिविरों में विशेष रूप से 381 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही 751 महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श दिया गया।

शिविरों में गर्भवती महिलाओं की जांच, ग्रीवा और स्तन कैंसर स्क्रीनिंग, क्षय रोग की जांच, टीकाकरण, सिकल सेल, मानसिक स्वास्थ्य, किशोरी बालिकाओं की जांच, रक्तदान परामर्श, बीपी व शुगर टेस्ट जैसी सेवाएं दी गईं। जिला स्तरीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने शिविरों की लगातार मॉनिटरिंग भी की।

ग्राम पंचायतों में चला स्वच्छता अभियान

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा है अभियान के तहत गुरुवार को जिले की सभी 263 ग्राम पंचायतों में एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत भवनों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों और जल स्त्रोतों के आसपास कचरे के ढेर हटाए गए तथा साफ-सफाई कर स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहयोग से नल-जल योजनांतर्गत पेयजल स्त्रोतों की विशेष सफाई और क्लोरीनेशन कार्य किया गया ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मिल सके। शहरी क्षेत्र में नगर निगम ने सभापति मनोज तोमर के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाकर नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मत्स्य सहकारी संगठन का गठन कर व्यवसाय बढ़ाएं

मछली पालन में सहकारिता की भूमिका पर संगोष्ठी आयोजित

■ ग्वालियर

ग्वालियर, न.सं.। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता के उपलक्ष्य में मछली पालन में सहकारिता की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेमीनार के माध्यम से मत्स्य सहकारी संस्थाओं के व्यवसायिक विकास पर उपयोगी जानकारी दी गई। यह संगोष्ठी जिला सहकारी संघ के प्रशासक विजय गौतम एवं प्रबंधक राजीव शर्मा की मौजूदगी में आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता फिशरमेन सहकारी संस्था के पूर्व अध्यक्ष भरोसी बाथम ने की। संगोष्ठी में जिले की विभिन्न मत्स्य सहकारी संस्थाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों ने भाग लिया। संगोष्ठी में राजीव रूपोलिया सहित अन्य सहकारिता अधिकारियों ने मत्स्य सहकारी संस्थाओं के गठन, पूर्व से गठित संस्थाओं में सदस्यों की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया व बैंक में खाता खोलने सहित समितियों के संचालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। संगोष्ठी में बताया गया कि मत्स्य सहकारी संगठन का गठन कर इस व्यवसाय से जुड़े लोग कारोबार को बढ़ाने के साथ-साथ अच्छा मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

आर्यंश कॉलेज के छात्र अंकित को पीएससी में मिली 7वीं रैंक

■ ग्वालियर

मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित किया गया जिसमें आर्यंश कॉलेज के छात्र अंकित कुमार सिरोठिया ने प्रदेश में 7वां स्थान प्राप्त कर जनपद सीईओ के पद पर चयन प्राप्त किया है। इसी क्रम में आर्यंश कॉलेज एवं जादौन आईएस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें एमपीपीएससी 2024 में चयनित अंकित सिरोठिया एवं अन्य प्रशासनिक सेवा में चयनित संस्थान के अभ्यर्थियों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर अंकित सिरोठिया ने कहा कि मेरा स्कूल टाइम से ही प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना था। हालांकि में एक सामान्य फैमिली बैकग्राउण्ड और ग्रामीण परिवेश से संबंध रखता हूं। इसलिए मार्गदर्शन की खोज में ग्वालियर आया और

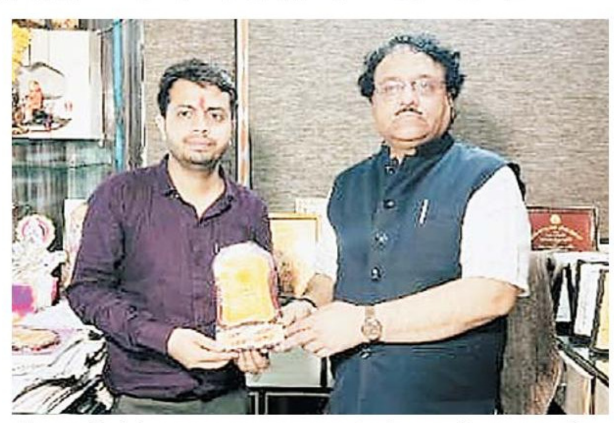

सौभाग्य से मेरी मुलाकात आनंद जादौन सर से हुई।

उन्होंने मुझे बहुत अच्छे तरीके से समझाया और मैंने सर के आर्यंश कॉलेज में युनिक कान्सेप्ट ग्रेजुएशन और कॉम्पिटीशन में बीए और एमपीपीएससी में एडमीशन लिया और प्रथम वर्ष से ही स्नातक की नियमित पढ़ाई के साथ-साथ सिविल सेवा हेतु तैयारी प्रारंभ कर दी। कॉलेज की नियमित पढ़ाई, वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन, ग्रुप डिस्कशन आदि कार्यक्रमों का सीधा लाभ मुझे न केवल मुख्य परीक्षा में मिला बल्कि साक्षात्कार में भी उसका लाभ मिला। अंकित ने बताया कि मेरे बैच के लगभग सभी छात्र/छात्राएं प्रशासनिक अधिकारी बने और अन्य सरकारी सेवा में चयनित हुए। आनंद जादौन सर ने बताया कि ग्रेजुएशन की तीन वर्ष सिविल सेवा की तैयारी हेतु उपयुक्त समय होता है जिसके कारण ही छात्र लगातार आर्यंश कॉलेज से चयनित हो रहे हैं।

एचआरपी क्लिनिक पर 1264 महिलाओं की जांच, 526 निकलीं हाईरिस्क

■ ग्वालियर

जिले के 23 सरकारी अस्पतालों में गुरुवार को एक साथ एचआरपी क्लिनिक लगाकर गर्भवती माताओं की जांच की गई। इन क्लिनिकों पर 1264 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इनमें से 526 महिलाओं को हाई रिस्क गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया। इन महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत दवा व उपचार उपलब्ध कराया गया। जानकारी के अनुसार जिले में गुरुवार को लगाई गई एचआरपी क्लिनिक में गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी, हीमोग्लोबिन सहित खून की अन्य जांचें और यूरिन की जांच भी कराई गई। जांच में जिन महिलाओं को हाई रिस्क गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया। इनमें से 16 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही 235 महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी जांच की गई। इस दौरान 76 महिलाओं को आयरन सुक्रोज इंजेक्शन लगाया गया। एचआरपी क्लिनिक में आईं महिलाओं को फल और पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया गया।

तीन दिवसीय आजीविका फ्रेश मेले की शुरुआत

'स्वदेशी अपनाएं और देश को सशक्त बनाएं'

■ ग्वालियर

स्वदेशी अपनाएं और देश को सशक्त बनाएं। यह बात सांसद भारत सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को सेवा पखवाड़े के तहत आयोजित तीन दिवसीय आजीविका फ्रेश मेले के शुभारम्भ अवसर पर कही।

सांसद ने कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए सभी नागरिकों को आगे आना चाहिए। उन्होंने अपील की कि अधिक से अधिक लोग इन उत्पादों को खरीदकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व अध्यक्ष कमल माखीजानी, जिला पंचायत सदस्य जितेन्द्र रावत, सहित अन्य मौजूद रहे। श्री कुशवाह एवं अन्य अतिथियों ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद खरीदे भी। उन्होंने मिट्टी और गोबर से बने उत्पाद, तेल, मसाले, शहद, अचार, बड़ी-पापड़, कालीन और हस्तशिल्प सामग्री की सराहना की। मेले में स्वादिष्ट पकवानों और चटपटे व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे।

ऊर्जा मंत्री ने मेले का किया अवलोकन

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी मेले में पहुंचे और स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी भी ली। श्री तोमर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन उत्पादों का अधिकाधिक उपयोग शहरवासी करें, इसके लिए प्रचार-प्रसार को प्रभावी बनाया जाए।

लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय में किया श्रमदान

ग्वालियर। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नगर निगम द्वारा शहर के धार्मिक, पर्यटन-विद्यालयों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आईईसी के नोडल अधिकारी मुकेश बंसल ने बताया कि कार्यक्रम के तहत शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार में छात्राओं के साथ मिलकर श्रमदान किया गया तथा विद्यालय परिसर में साफ-सफाई कर छात्राओं को स्वच्छता बनाए रखने, कचरा डस्टबीन में डालने व सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी छात्राओं ने स्वच्छता की शपथ दिलाई।

हिन्दी हमारे स्वत्व का प्रतीक : भदौरिया

■ ग्वालियर

मध्यभारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गणेश बाग में हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत किए गए आयोजन में अतिथियों ने विद्यालय की छात्राओं को हिन्दी के संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के प्रांत संयोजक डॉ. धीरेन्द्र सिंह भदौरिया, विशिष्ट अतिथि मध्यभारत शिक्षा समिति के सचिव डॉ. राजेन्द्र वैद्य व न्यास के संभाग संयोजक राजकुमार वाजपेयी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य जगदीश श्रीवास ने की तथा कार्यक्रम का संयोजन भारतीय भाषा मंच की प्रांत संयोजक डॉ. वन्दना सेन ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं से संवाद करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. भदौरिया ने कहा कि हर देश की अपनी एक भाषा होती है। भारत में हिन्दी बोलने वालों की संख्या सबसे अधिक है, हिन्दी हमारे स्वत्व का प्रतीक है। हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हिन्दी हमारी अपनी भाषा है, तब हमारे मन में हिन्दी के प्रति स्वाभिमान का बोध होना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र वैद्य ने कहा कि हिन्दी भारत का सांस्कृतिक गौरव जगाने वाली भाषा है। राजकुमार वाजपेयी ने भी प्रेरणीय उद्बोधन दिया। डॉ. वन्दना सेन ने कार्यक्रम की भूमिका रखी। कार्यक्रम का संचालन सविता शर्मा ने किया और आभार प्रदर्शन प्राचार्य जगदीश श्रीवास ने किया।

मंत्र भारत

ग्वालियर -शनिवार,27 सितम्बर 2025

सम्पादकीय

यूएन में ट्रंप की मसखरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का जैसा अगंभीर व असामान्य व्यवहार नजर आया, उससे कहीं से नहीं लगा कि वे विश्व की एक महाशक्ति का नेतृत्व कर रहे हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया में युद्धों को समाप्त करने के लिये सिर्फ बयानबाजी नहीं, ठोस रणनीति व गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है। संयुक्त राष्ट्र में डोनॉल्ड खुद को लगातार जबरदस्ती एक शांति के मसीहा के तौर पर पेश करते रहे हैं। उन्होंने दावा दोहराया कि उनके नेतृत्व में दुनिया में सात युद्धों को समाप्त किया गया। दावा कि उन्होंने संघर्ष को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया। जबकि इसके विपरीत उनके भाषण का सार कुछ और ही दर्शाता है। साफ नजर आया कि एक ऐसा नेता जो स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक सहयोग के स्तंभों को ही कमजोर कर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पूंजीपति सरोकारों के अनुरूप उन्होंने जलवायु परिवर्तन को अब तक का सबसे बड़ा धोखा बताकर खारिज कर दिया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों से पूरी दुनिया में जन-धन की व्यापक क्षति हो रही है। इसके चलते सूखे, बाढ़ व विनाशकारी तूफानों से पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा खतरे में नजर आ रही है। जो मानव जीवन को लगातार संघर्षमय बना रहे हैं। ट्रंप का शांति बनाये रखने के दावे करना और जलवायु परिवर्तन की वास्तविकता को नकारना, उनके विरोधाभासी व्यवहार को ही दर्शाता है। साथ ही उनकी बयानबाजी के खोखलेपन को ही उजागर करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि उन्होंने विश्वव्यापी प्रवासन को राष्ट्रों को नष्ट करने वाली शक्ति बताकर निंदा की, जो मानवता के खिलाफ दुर्भावना ही कही जाएगी। बेहतर भविष्य और सुखमय जीवन की तलाश में प्रवासन सदियों से मानव इतिहास का हिस्सा रहा है। जिसने विभिन्न समाजों को नया आकार दिया है और प्रगति को नई गति दी है। निस्संदेह, प्रवासियों को खतरे के रूप में पेश करना जेनोफोबिया को बढ़ावा देना है। जो वैश्विक समुदायों को विभाजित करने की कुत्सित कोशिश है। ऐसे संघर्ष को रोकने के बजाय इस तरह की गैरजिम्मेदार बयानबाजी सामाजिक आक्रोश और विभाजन को ही जन्म देगी। कालांतर ये विकसित राष्ट्रों में आए प्रवासियों के विरुद्ध नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देगा। निस्संदेह, प्रवासियों के लिये अपने दरवाजे बंद करने से शांति सुनिश्चित नहीं होती। आज जब आधुनिक तकनीक व संचार क्रांति के चलते दुनिया के एक गांव में तब्दील होने की बात कही जाती है तो यह सोच नितांत अतार्किक व मानवीय मूल्यों की विरोधी ही है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र पर ट्रंप का हमला करना और इसे अप्रभावी और पाखंडी करार देना- उनके कथित शांतिदूत होने के दावे को कमजोर करता है। माना कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी सीमाएं हैं, लेकिन आज के संघर्षरत विश्व में यह एकमात्र वैश्विक निकाय है, जो संवाद, मानवीय राहत और शांति स्थापना के लिये कारगर विकल्प प्रस्तुत करता है। खुद को शांति के संरक्षक के रूप में प्रस्तुत करते हुए, इस पर अनुचित तरीके से हमला करना, उन्हीं संस्थाओं को कमजोर करना है, जो दुनिया को युद्ध के संकट से बचने का काम करती हैं। बहरहाल, घटनाक्रम का भारत के लिये स्पष्ट सबक है कि हमें वाशिंगटन के साथ मजबूत संबंध बनाये रखते हुए, अलगाववादी-संशयवादी राजनीति में नहीं फंसना चाहिए। इसके बजाय, भारत को बहुपक्षवाद, जलवायु नेतृत्व और समावेशी वैश्विक शासन पर दुगनी गति से जोर देना चाहिए। शांति को केवल सैन्य संयम तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसके लिये साझी मानवीय चुनौतियों से मुकाबले के लिये सहयोग की आवश्यकता है। ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए भाषण ने एक अन्य विरोधाभास को भी उजागर किया, कि एक तरफ तो यह नेता युद्धों को समाप्त करने के नाम पर वाहवाही लूटने का श्रेय लेने हेतु तमाम तरह के प्रपंच करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर भविष्य में युद्धों को भड़काने वाली परिस्थितियों को हवा भी देता है। यदि हम दुनिया में सही मायनों में शांति स्थापना की आकांक्षा रखते हैं तो उसके लिये एकजुटता की जरूरत होती है न कि खोखले नारों की।

संवाद से समाधान तकः लेह-लद्दाख में हिंसा का सबक

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिन्ताजनक है। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंक दिया। आमतौर पर बेहद शांत रहने वाले लद्दाख के लिए यह बहुत बड़ी घटना है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। इस हिंसा ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर यह घटना वहाँ की जनता के असंतोष और बेचैनी को उजागर करती है, वहीं दूसरी ओर यह संकेत देती है कि लंबे समय से किए जा रहे वादे और आश्वासन क्यों अधूरे रह गए और क्यों स्थानीय लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं? सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लोगों ने सोचा था कि अब उनकी पहचान, संस्कृति और स्थानीय अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। लेकिन इसके विपरीत उनकी आशंकाएँ बढ़ीं। उन्हें लगा कि संघ शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली से संचालित प्रशासन स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने और पूरा करने में असफल हो रहा है। इसी कारण 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा। इसी के चलते सोनम वांगचुक को अहिंसक आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा, जो कतिपय कारणों से हिंसक हो गया। हालांकि, हिंसा के बाद वांगचुक ने अपना अनशन त्याग कर आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की हिंसा से शांतिपूर्ण आंदोलन का मेरा संदेश आज विफल हो गया। अगर युवा गलत रास्ते पर जाएंगे, तो इससे हमारे वास्तविक उद्देश्य गुम हो जायेंगे। वाकई, लद्दाख के संयमी समाज को सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा। उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। हिंसा से समस्या जटिल हो जाएगी। लद्दाख की जो भौगोलिक स्थिति है, उसे देखते हुए वहां के लोगों में कानून-व्यवस्था के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। लद्दाख का केंद्रशासित प्रदेश बनना एक नये सूरज का उदय होना है और इसका वहां के लोगों ने स्वागत भी किया था। इस क्षेत्र को कश्मीर घाटी के वर्चस्व से मुक्ति मिली थी, पर वहां के लोगों की महत्वाकांक्षा को राजनीति रंग देकर एवं संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के अंधेरों में धकेल कर इसके वास्तविक उद्देश्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा की गई है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। मीडिया माध्यमों से कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी 6 अक्टूबर, 2025 को एक वार्ता का दौर निर्धारित था, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल होने वाले हैं। जब बातचीत होनी ही वाली है, तो ऐसे विरोध प्रदर्शन की क्या जरूरत थी? लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। वास्तव में, यह पूरा आंदोलन राजनीतिक प्रवृत्ति का है। इस प्रदर्शन को साफ तौर पर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। कहा जा रहा है कि

ताजा विरोध-प्रदर्शन केन्द्र से बातचीत को अनुकूल दिशा में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है। लद्दाख के लोग चाहते हैं कि उन्हें पूर्ण राज्य का अधिकार मिले ताकि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। साथ ही उनकी यह भी माँग है कि उन्हें संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए जिससे उनकी भूमि, संसाधन, परंपराएँ और रोजगार सुरक्षित रहें। रोजगार के अवसरों की कमी और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा ने इस असंतोष को और गहरा किया है। लेह और कारगिल के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। लगातार समितियाँ बनीं, बातचीत हुई, आश्वासन दिए गए, लेकिन जब ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो लोगों के भीतर अविश्वास बढ़ा। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल-जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है। लोग यह महसूस करने लगे कि उनकी जान-माल की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। लद्दाख की जनता के भीतर असुरक्षा की भावना इसलिए भी है क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी भूमि और संसाधनों पर बाहरी दखल बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासनिक संस्थाएँ जैसे हिल डेवलपमेंट काउंसिल्स कमजोर कर दी गई हैं और महत्वपूर्ण फैसले केंद्र के हाथ में केंद्रित हो गए हैं। इससे यह भावना गहराती है कि स्थानीय समाज की आवाज को दबाया जा रहा है। जब लंबे समय तक विश्वास और संवाद की कमी बनी रहती है तो जनता के धैर्य का बाँध टूट जाता है। यह सिर्फ राज्य का दर्जा पाने की माँग नहीं है बल्कि यह आत्म-नियंत्रण, पहचान और न्याय पाने की जद्दोजहद है। लद्दाख की जनता यह चाहती है कि उनके अधिकारों को संवैधानिक गारंटी मिले, उनके संसाधनों की सुरक्षा हो और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि सरकार ने पहले जो आश्वासन दिए थे, उन्हें समयबद्ध और स्पष्ट तरीके से लागू कर दिया जाता तो शायद स्थिति यहाँ तक न पहुँचती। आज जरूरत इस बात की है कि सरकार संवाद और विश्वास बहाली की दिशा में ठोस कदम उठाए। संवैधानिक गारंटी देकर, स्थानीय प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाकर, रोजगार और शिक्षा की योजनाओं को मजबूती देकर ही इस असंतोष को शांत किया जा सकता है। लद्दाख की जनता को यह विश्वास दिलाना होगा कि उनके हित सुरक्षित हैं, तभी हिंसा और आक्रोश का माहौल शांति और भरोसे में बदला जा सकेगा। लोगों में यह विश्वास पैदा करना जरूरी है कि फैसलों में लद्दाख के हितों का ख्याल रखा जाएगा। इसका सबसे बेहतर तरीका है पारदर्शिता। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि सरकार के लिए हर मांग मानना और तुरंत मानना संभव नहीं होता।

मिग-21 की विदाई सिर्फ एक युग का अंत नहीं, आधुनिक विमानों के युग का शुभारंभ भी है

अलग-अलग अपग्रेड और नए संस्करणों के माध्यम से मिग-21 ने कई युद्धों में अपनी उपयोगिता साबित की, जिनमें 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, और 1999 का कारगिल संघर्ष शामिल हैं। भारत ने अब तक 700 से अधिक मिग-21 विमानों को विभिन्न वेरिएंट्स में खरीदा। भारतीय वायु सेना (क्अऋ) ने आज अपने प्रतिष्ठित मिग-21 लड़ाकू विमानों को रिटायर कर दिया। इस समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह दिन भारतीय वायुसेना के इतिहास में एक युग के अंत का प्रतीक है, क्योंकि मिग-21 ने 1963 से अब तक देश की वायु सुरक्षा की रीढ़ के रूप में सेवा दी। हम आपको बता दें कि मिग-21 विमानों को भारतीय वायु सेना में शामिल किए जाने के समय यह अपनी तकनीक और गति के लिए विश्व के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में गिना जाता था। शुरू में यह मुख्यतः इंटरसेप्टर के रूप में कार्य करता था, यानी दुश्मन के विमानों को रोकने और वायु क्षेत्र की रक्षा करने के लिए डिजाइन किया गया था। अलग-अलग अपग्रेड और नए संस्करणों के माध्यम से मिग-21 ने कई युद्धों में अपनी उपयोगिता साबित की, जिनमें 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, और 1999 का कारगिल संघर्ष शामिल हैं। भारत ने अब तक 700 से अधिक मिग-21 विमानों को विभिन्न वेरिएंट्स में खरीदा। सबसे आधुनिक 'बायसन' (इक्र) संस्करण में आधुनिक अवियोनिक्स, रडार और उन्नत मिसाइलें शामिल थीं। हालांकि, विमानों के एक इंजन वाले होने और पुराने इंजन की समस्याओं के कारण मिग-21 ने वर्षों में कई दुर्घटनाओं का सामना किया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 60 वर्षों में 500 से अधिक मिग-21 क्रैश हुए, जिनमें कम से कम 170 पायलटों की जान गई। इसके बावजूद, वरिष्ठ क्अऋअधिकारी मानते हैं कि

इतने लंबे समय तक उड़ान भरने वाले विमानों के लिए इसका सुरक्षा रिकॉर्ड अपेक्षाकृत संतोषजनक रहा। हम आपको यह भी बता दें कि मिग-21 के सेवानिवृत्त होने के बाद, भारतीय वायुसेना की फाइटर स्क्वॉड्रन संख्या घटकर 29 रह गई है, जबकि इसकी मानक संख्या 42 स्क्वॉड्रन है। यह कमी भविष्य में दो-सीमाओं पर संभावित संघर्ष के समय एक गंभीर चुनौती बन सकती है। पाकिस्तान की अनुमानित 20झ 25 स्क्वॉड्रन और चीन की 60 से अधिक स्क्वॉड्रन क्षमता के मुकाबले यह अंतर स्पष्ट है। इस समय वायुसेना का ध्यान मुख्य रूप से मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों और सतह से हवा तक (रअट) एवं सतह से सतह तक के हथियारों के सुदृढ़ीकरण पर है। इसी कारण, भारत ने रूसी र-400 मोबाइल मिसाइल सिस्टम को अपनाया और स्वदेशी आकाश-तीर वायु रक्षा प्रणाली का विकास किया। भविष्य की तैयारी को देखें तो वायुसेना अपनी घटती फाइटर शक्ति को पूरा करने के लिए स्वदेशी और विदेशी विमानों का मिश्रित मॉडल अपनाने जा रही है। तेजस ट'1अ ऌअछ द्वारा निर्मित है, इसमें अएरअ रडार, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और बीवीआर क्षमताओं वाली मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा तेजस ट'2 और अटउअ भविष्य के पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ विमानों के रूप में अगले दशक में सेवा में शामिल होंगे। साथ ही 114 विमानों की खरीद में ऊ२२४'३ फ्ं प्रमुख दावेदार है। कुछ विमानों को तुरंत प्राप्त किया जाएगा और बाकी भारत में ऌअछ और ऊ२२४'३ की साझेदारी में बनाए जाएंगे। इसके अलावा, र४-30टङकविमानों के र४स्त्री१-30 प्रोग्राम के तहत 84 विमानों का उन्नयन किया जाएगा। हम आपको यह भी बता दें कि क्अऋकी नई तकनीक और विमानों की डिलीवरी में लगातार देरी रही है। मिग-21 का लंबे समय तक संचालन इसी कारण संभव हुआ। तेजस ट'1अ के पहले विमानों की डिलीवरी में भी वर से इंजन प्राप्ति और रडार तथा हथियार एकीकरण में देरी आई। अटउअ अभी विकास के चरण में है और इसके प्रोटोटाइप को भी कुछ साल लग सकते हैं। देखा जाये तो मिग-21 का सेवामुक्त होना भारतीय वायुसेना के लिए भावनात्मक और रणनीतिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह विमान न केवल छह दशक तक देश की सुरक्षा का प्रतीक रहा, बल्कि भारतीय वायुसेना की क्षमता, साहस और आत्मनिर्भरता का भी परिचायक रहा। अब जबकि भारत नए युग के उन्नत विमानों की ओर बढ़ रहा है, मिग-21 की विरासत हमेशा याद रहेगी।

बंगाल के शक्तिपीठों में मां काली-दुर्गा का रहस्य

मंदिरों की श्रृंखला

बंगाल देवी उपासना की भूमि है, जहां मां काली और दुर्गा के शक्तिपीठों की श्रृंखला न सिर्फ आस्था का केंद्र है, बल्कि ऐतिहासिक, तांत्रिक साधना और सांस्कृतिक पहचान भी है। बंगाल शक्तिपूजा का केंद्र है। यहां मां काली और मां दुर्गा की पूजा विभिन्न रूपों में वर्ष में कई बार होती है। कभी जगद्धात्री पूजा तो कभी काली पूजा या रक्षा काली पूजा। पश्चिम बंगाल में जगज्जननी मां दुर्गा और मां काली के कई प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर हैं। ये मंदिर न केवल अपनी भव्यता के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने ऐतिहासिक महत्व और शक्तिपीठ होने के कारण भी श्रद्धालुओं के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। काली कलकत्ते वाली के नाम से मशहूर यह मंदिर कोलकाता के सबसे प्रसिद्ध और प्राचीन मंदिरों में से एक है। कालीघाट शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि यहां सती के दाहिने पैर की उंगली गिरी थी। इस मंदिर में देवी काली की भव्य और आकर्षक प्रतिमा के दर्शन के लिए दुनियाभर से भक्त आते हैं। मंदिर के वास्तुशिल्प आकर्षण के साथ-साथ इसका ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व भी है, जो इसे एक अद्वितीय और शांत स्थल बनाता है। देवी काली की प्राचीन प्रतिमा बलुआ पत्थर से बनी है और इसमें इनकी जीभ निकली हुई है, जो देवी के उग्र रूप को दर्शाती है। यह मंदिर देवी काली के भवतारिणी रूप को समर्पित है। यह मां काली के अनन्य उपासक श्रीरामकृष्ण परमहंस की साधनास्थली के रूप में प्रसिद्ध है। यह मंदिर अपने ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के लिए जाना जाता

है। दक्षिणेश्वर काली मंदिर कोलकाता के पास हुगली नदी के पूर्वी तट पर स्थित मंदिर है। इसे 1855 में रानी रासमणि ने बनवाया था। देवी काली ने उन्हें सपने में दर्शन देकर मंदिर बनवाने का आदेश दिया था। मंदिर में मुख्य नवरत्न मंदिर के अलावा, नदी के किनारे 12 महादेव मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर और एक स्नान घाट के साथ-साथ स्वामी रामकृष्ण के कमरे और मां शारदा के बिताए स्थान भी हैं। यह मंदिर 19वीं सदी के बंगाल के पुनर्जागरण से भी जुड़ा है मंदिर परिसर के पास हुगली नदी के पार बेलूर मठ, रामकृष्ण मिशन का मुख्यालय है। यह एक अनोखा शाही मंदिर है जो अपनी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। हंसेश्वरी मंदिर पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के बांसबेरिया में स्थित है। 19वीं सदी की शुरूआत में राजा नृसिंहदेव राय द्वारा इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जिसे उनकी पत्नी रानी शंकरी ने पूरा किया था। इस मंदिर में मां काली के एक रूप देवी हंसेश्वरी की विशेष प्रतिमा विराजमान है। मंदिर के गर्भगृह में नीम की लकड़ी से बनी देवी हंसेश्वरी (देवी काली का एक रूप) की नीले रंग की चतुर्भुजी प्रतिमा है, जो लेटे हुए शिव के ऊपर कमल के डंठल पर विराजमान है। इसके नजदीक स्थित अनंत बसुदेव मंदिर के लिए भी यह जाना जाता है, जिसमें समृद्ध टेराकोटा अलंकरण हैं। मंदिर की पांच मंजिला संरचना तांत्रिक सचक्रभेद का प्रतिनिधित्व करती है, जो मानव शरीर की नाड़ियों और चक्रों को दर्शाती है। यह संरचना इसे पश्चिम बंगाल के मंदिरों में से विशिष्टता प्रदान करती है। यह मां तारा देवी को समर्पित एक महत्वपूर्ण शक्तिपीठ है। तारापीठ मंदिर पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में रामपुरहाट शहर के पास स्थित है। यह एक प्रसिद्ध तांत्रिक मंदिर और शक्ति पीठ है। बंगाल में यह हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है, जो देवी तारा के मंदिर और उससे सटे एक श्मशान घाट के लिए जाना जाता है। यह 13वीं शताब्दी का एक मंदिर है और शक्ति पीठों में से एक है, जो हिंदू धर्म में दस महाविद्याओं में से एक, देवी तारा को समर्पित है। किरीटेश्वरी मंदिर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के किरीटकोना गांव में स्थित है, जो 51 शक्तिपीठों में से एक है। यह मंदिर हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी सती के किरीट (मुकुट) के गिरने के कारण प्रसिद्ध है। यह पश्चिम बंगाल के प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर का इतिहास 1000 साल से भी पुराना है और यह एक सक्रिय तीर्थ स्थल है, जो हर साल हजारों भक्तों और पर्यटकों को आकर्षित करता है। अपने धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के कारण यह भक्तों और इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। नवरात्रि और दुर्गा पूजा जैसे विशेष त्योहारों पर यहां विशेष पूजा और अनुष्ठान होते हैं।यह मां दुर्गा के महिषमर्दिनी स्वरूप को समर्पित है और इसे एक शक्तिपीठ भी माना जाता है। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में बक्रेश्वर कस्बे में स्थित महिषमर्दिनी मंदिर, देवी दुर्गा का एक महत्वपूर्ण मंदिर है। यह 51 शक्तिपीठों में से एक है। ज्ञात इतिहास के अनुसार इसका निर्माण 10वीं-11वीं शताब्दी में हुआ था। सोमवंशी शासन के दौरान बना यह मंदिर रेखा देउल शैली में निर्मित है।

रावण के पुतलों की शृंखला का अनूठा उल्लास

दशहरे की रात दिल्ली के सुभाष नगर में रावण के रंग-रूप के भव्य पुतलों की अनूठी नुमाइश होती है, जो देश के किसी और शहर में शायद ही देखी जाती हो। यहां हर साल 30-35 विविध आकारों के पुतले बनाए जाते हैं, जिन्हें दशहरे की शाम भव्य तरीके से जलाया जाता है, जिससे यह त्योहार और भी खास बन जाता है। दशहरे की रात रावण के विविध रंग-रूप के पुतलों की जैसी नुमाइश दिल्ली के सुभाष नगर में नजर आती है, वैसी देश के किसी अन्य शहर में शायद ही नजर आती है। दशहरा पर्व मनाने में कुल्लू और मैसूर की विशिष्ट पहचान है। दिल्ली का दशहरा भी खास है। ज्यादातर दिल्ली वाले रावण दहन देखने पुरानी दिल्ली स्थित लाल किले के आगे मैदान पर हो रहीं सौ-सौ साल पुरानी रामलीलाओं में उमड़ते हैं। पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी पश्चिमी दिल्ली के द्वारका की रामलीला के दशहरे में शामिल हुए थे, जहां दिल्ली का सबसे ऊंचा रावण का पुतला बना था। लेकिन कहते हैं कि दिल्ली में रहकर अगर सुभाष नगर के दशहरे की धूम नहीं देखी, तो क्या देखा। पश्चिमी दिल्ली के सुभाष नगर में दशहरे पर अलग ही नजारा होता है। इसकी महाशय वासुदेव मार्ग से जुड़ी दो-चार सड़कों पर थोड़े- थोड़े फासले पर, कघ्रीब आधा किलोमीटर के घेरे में अलग-थलग आकार-प्रकार के 30-35 रावण के पुतले खड़े होते हैं। कोई बाइक या स्कूटी पर सवार है, तो कोई सिंहासन पर विराजमान। कोई राक्षसों की सेना के साथ है, तो किसी का सिर धड़ से अलग। हर दशहरे पर भी अलग-अलग थीम के रावण बनाए जाते हैं। पुतलों को टेंटों में छुपा कर बनाया जाता है, ताकि लोग दशहरे के दिन का इंतजार करते रहें और दशहरे की ऐन सुबह 10 बजे तक सारे पुतले खड़े हो जाते हैं। पुतलों की ऊंचाई 35 से 55 फुट के बीच होती है। वहीं रहने वाले बच्चे-बड़े सभी मिल-जुलकर अपनी मेहनत और पैसों से बनाते हैं। बीते दसेक सालों से श्रीराम ड्रामेटिक क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर पुतला बना रहे 26 साल के सत्यम साहू ने बताया कि दशहरे की रात साढ़े 7 बजे पुतले जलने शुरू होते हैं। सड़कों पर यहां-वहां खड़े रावणों का एक के बाद दूसरे के जलने का सिलसिला रात साढ़े 9 बजे तक जाकर कहीं थमता है। यूं भी, दिल्ली रामलीलाओं की राजधानी है। यहां छोटी-बड़ी करीब 3,400 रामलीलाओं में से सबसे ज्यादा उत्तरी और पश्चिमी दिल्ली में होती हैं। इन इलाकघें की कई कॉलोनी में बड़े स्तर की 6-8 रामलीलाएं होती हैं, और छोटी लीलाओं की तो कोई गिनती ही नहीं है। सुभाष नगर में ही महज 250-300 मीटर की दूरी पर दो रामलीला मैदान हैं। दोनों में सालों से रामलीला होती है और दशहरा मनाया जाता है। पहले दोनों मैदानों में रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन होता है। फिर लोग रामलीला मैदानों से निकलकर, इन पुतलों वाली सड़कों से होकर वापस जाने लगते हैं, तो बारी-बारी एक-एक पुतला जलाने का क्रम शुरू हो जाता है। दशहरे की रात रावण के ऐसे विविध रंग-रूप के पुतलों की नुमाइश दिल्ली ही नहीं, देश के किसी शहर में शायद ही लगती है। लोग आसपास की कॉलोनियों से देखने सुबह से ही आने लगते हैं। उल्लेखनीय है कि नजदीक ही तितारपुर में थोक के हिसाब से छोटे-बड़े रावण बनते हैं और पूरी दिल्ली को सप्लाई किए जाते हैं। लगता है कि उन्हें देखकर ही सुभाष नगर के बच्चे-बड़े ऐसी अनूठी परम्परा शुरू करने के लिए प्रेरित हुए होंगे। दिल्ली में रहने वालों के लिए सुभाष नगर पहुंचना आसान है। इसके नजदीक दो मेट्रो स्टेशन हैंकृपहला, सुभाष नगर और दूसरा, टैगोर गार्डन। सुभाष नगर इन दोनों स्टेशनों के बीच में बसा और फैला है। आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस के नाम पर, यह 1962 से पहले बसी कॉलोनी है। बंटवारे के वक्त अब पाकिस्तान से दिल्ली आए कुछ रिफ्यूजियों को यहां बसाया गया था। साल 2009 के आसपास इस कॉलोनी में हिंदी फिल्म बैंड बाजा बरात फिर 2014 में एक और हिंदी फिल्म बैंग- बैंग और 2020 में हिंदी वेब सीरीज ब्रीथ इनटू द शैडोज की शूटिंग भी हो चुकी हैं।

रेमंड के परिसरों पर आयकर विभाग ने किया सर्वेक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग के कुछ अधिकारियों ने गुरुवार को भारतीय कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रेमंड से जुड़े भारतीय परिसरों का सर्वेक्षण किया। कंपनी ने खुद इसकी जानकारी दी है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। आयकर विभाग के कुछ अधिकारियों ने गुरुवार को भारतीय कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रेमंड से जुड़े भारतीय परिसरों का सर्वेक्षण किया। कंपनी ने खुद इसकी जानकारी दी है। रेमंड ने शुक्रवार को एक नियामकीय सूचना में कहा, ₹अधिकारियों ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 133ए के तहत सर्वेक्षण कार्रवाई करने के लिए भारत में कंपनी के कार्यालयों और विनिर्माण इकाइयों का दौरा किया।₹ रेमंड लाइफस्टाइल और रेमंड रियल्टी ने स्टॉक एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में यह जानकारी दी। आईटी सर्वे अब भी जारी है। आयकर विभाग की ओर से किया जाने वाला सर्वेक्षण क्या है? आयकर अधिनियम की धारा 133ए के तहत सर्वेक्षण, तलाशी अभियान से अलग होता है। हालांकि इसका दायरा सीमित होता है

टॉम क्रूज के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं अमीषा

बोलीं- मेरे कमरे में होता था उनका पोस्टर

अमीषा पटेल ने साल 2000 में ऋतिक रोशन के साथ फिल्म कहो न प्यार है से बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की थी। अपनी पहली पहली ही फिल्म से अमीषा इंडस्ट्री की नई सनसनी बन गई थीं। उनकी खूबसूरती की काफी चर्चा थी। अब अमीषा 50 साल की हो चुकी हैं और उन्होंने शादी नहीं की है। अब अमीषा ने अपने क्रश के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज पर जबरदस्त क्रश है। एक्ट्रेस ने यहां तक कहा कि वो उनके साथ कुछ भी करने को तैयार हैं। टॉम क्रूज के साथ वन नाइट स्टैंड तक कर सकती हूं यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अमीषा पटेल ने अपने सेलिब्रिटी क्रश को लेकर बात की। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे टॉम क्रूज पर क्रश है। अगर आप उनके साथ कोई पॉडकास्ट कर सकते हैं, तो प्लीज मुझे भी उस पॉडकास्ट में बुलाएं। मुझे बचपन से ही टॉम क्रूज पसंद हैं। मेरे पेंसिल बॉक्स में, मेरी फाइलों में उनकी तस्वीर लगी रहती थी और मेरे कमरे में सिर्फ टॉम क्रूज के ही पोस्टर होते थे। वो हमेशा से मेरा क्रश रहे हैं। मैं हमेशा मजाक में कहती हूं कि वो इकलौते ऐसे इंसान हैं जिनके लिए मैं अपने उसूलों को ताक पर रख सकती हूं। मैं उनके लिए कुछ भी कर सकती हूं। अगर आप मुझसे पूछें कि क्या तुम उनके साथ वन नाइट स्टैंड के लिए तैयार हो, तो हां मैं वो भी कर सकती हूं। शादी के लिए तैयार हैं अमीषा, योग्य व्यक्ति की है तलाश अमीषा ने यहां तक कहा कि अगर मुझे मौका मिलता तो मैं उनसे शादी कर लेतीं। इस दौरान अमीषा ने आगे कहा कि मैं शादी के लिए पूरी तरह तैयार हूं, बशर्ते मुझे कोई योग्य व्यक्ति मिले। कहते हैं न जहां चाह, वहां राह, इसलिए जो व्यक्ति मुझे हर मुश्किल से पार पा ले और मौके पर चौका मारले, वही मेरा साथी होगा। मुझे आज भी कई अच्छे परिवारों से तरह-तरह के प्रस्ताव मिलते रहते हैं। वैसे यह पहली बार नहीं है, जब अमीषा ने टॉम क्रूज के लिए अपना प्यार दिखाया हो। इससे पहले भी कई मौकों पर वो दिल खोलकर टॉम क्रूज की तारीफ कर चुकी हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अमीषा पटेल आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म गदर 2 में नजर आई थीं। इस फिल्म में वो सनी देओल के साथ सकीना के किरदार में दिखाई दी थीं। अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अमीषा और सनी के अलावा उत्कर्ष शर्मा और सिम्रत कौर रंधावा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

सादा कुर्ता और नो मेकअप लुक में भी खूबसूरत दिखीं करीना

91 साल के गुलजार साहब का हाथ थाम अदब से पेश आईं पटौदी खान की

पटौदी खान की बहू औक एक्ट्रेस करीना कपूर इन दिनों अपनी 68वीं फिल्म दायरा की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान बेबो ने सेट पर 91 साल के गुलजार साहब से मुलाकात की। उनसे मिलकर वो इतने अदब से पेश आईं कि अब उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं। फोटो में करीना गुलजार साहब का हाथ थामी नजर आ रही हैं। उनके चेहरे से साफ पता चल रहा है कि वो कितनी खुश हैं। इस दौरान करीना ने सिंपल से डिजाइन वाला कुर्ता हसीना ने पहना हुआ है। करीना ने लाइट ब्लू शेड वाला कुर्ता पहना है, जिसका कॉलर वाला डिजाइन सिपंल लुक को परफेक्ट भी बना रहा है। उन्होंने बॉट्मस के लिए जींस सिलेक्ट की है। लाइट टोन वाली जींस देसी कुर्ते के साथ परफेक्टली ट्यून कर रही है। पैरों में करीना ने ग्रे और वाइट शेड वाले स्नीकर्स पहनकर अपने लुक को कंप्लीट बनाया है। उनका चेहरा भी बिना मेकअप के नजर आ रहा है।सिंपली सिटी में भी हसीना के खिलते चेहरे से नजरें हटा पाना मुश्किल है। उन्होंने सिर्फ कानों में बाली पहनी जो कि एकदम सादी नजर आ रही है।करीना ने बस अपने बाल खोले। वहीं गुलजार साहब भी सफेद कुर्ते-पजामे के साथ साफा ओढ़ एकदम देसी नजर आ रहे हैं।

नन्ही सी अदाकारा त्रिशा थोसर के राष्ट्रीय अवॉर्ड जीतने पर कमल हासन ने दी बधाई, कहा-आपने मेरा रिकॉर्ड तोड़ डाला

दिल्ली में हाल ही में आयोजित हुए 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में छोटी सी अदाकारा त्रिशा थोसर को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चाइल्ड आर्टिस्ट की इस जीत पर दिग्गज एक्टर कमल हासन ने हाल ही में खुशी जताई है। एक्टर ने त्रिशा को शाबाशी दी है कि नन्ही अदाकारा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कमल हासन ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा-प्यारी त्रिशा थोसर मेरी तरफ से खूब बधाई आपको। आपने मेरा रिकॉर्ड तोड़ दिया है, क्योंकि जब मुझे अपना पहला पुरस्कार मिला था, तब मैं छह साल का था। बहुत बढ़िया मैडम। अपनी बेमिसाल प्रतिभा पर काम करती रहिए। घर के बड़ों को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई।इसके अलावा, एक वीडियो में कमल हासन नन्ही त्रिशा को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके आगामी प्रोजेक्ट्स पर सवाल करते हैं। त्रिशा बड़ी मासूमियत से कमल हासन को जवाब देती हैं और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करती हैं। पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा गया-कमल हासन ने अपना पहला नेशनल अवॉर्ड छह वर्ष की आयु में जीता था। वहीं, त्रिशा ने चार साल की उम्र में यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बता दें, त्रिशा थोसर ने साल 2023 में आई फिल्म नाल 2 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। नाल 2 एक मराठी फिल्म है।

ओटीटी पर स्मृति ईरानी की वापसी ने रचा इतिहास, क्योंकि 2.0 को मिला बंपर व्यूअरशिप

केंद्रीय मंत्री और एक्ट्रेस स्मृति ईरानी, जिन्हें भारतीय टेलीविजन में उनके योगदान के लिए जाना जाता है, ने 25 साल बाद अपने सबसे पसंदीदा किरदार तुलसी के रूप में जबरस्त वापसी की है। हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में, जहां क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2.0 चर्चा का विषय था, स्मृति ईरानी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शो की खास सफलता के पीछे की वजहों पर अपनी राय साझा की। अपने 25 साल पहले टेलीविजन पर प्रसारित हुए शो को याद करते हुए स्मृति ईरानी ने मीडिया और दर्शकों की बदलती उम्मीदों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, जब हमने 25 साल पहले शुरूआत की थी, उस समय डिजिटल प्लेटफॉर्म या ऐसे क्रिएटिव कॉन्टेंट का कोई विकल्प नहीं था, जो सास-बहू शो के रूप में सामने आता। मुझे यह देखने में सबसे ज्यादा उत्सुकता थी कि यह ओटीटी पर कैसा चलेगा। मैं इसके टेलीविजन पर प्रदर्शन के लिए मिली तारीफों के लिए आभारी हूं। हमारा मंथली व्यूअरशिप करीब 5 करोड़ है, हर रोज लगभग 1.5 करोड़ और वीकली लगभग 2 से 2.5 करोड़ है। स्मृति ईरानी ने बताया कि क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2.0 और दूसरे डिजिटल शो में दर्शकों का जुड़ाव कितना अलग है। उन्होंने कहा, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसे शो पर औसत समय लगभग 20 से 28 मिनट होता है, जबकि हमारे शो पर दर्शक हर हफ्ते 104 मिनट बिताते हैं। यह दिलचस्प है कि पुरानी शैली का यह शो, जो ज्यादातर युवा देखते हैं, उन्हें इतना पसंद आया। स्मृति ईरानी ने खासतौर पर बताया कि शो ने नए मुद्दों को शामिल करके बदलाव किया है। उन्होंने कहा, 2025 में इस ड्रामा में हमने नए और जरूरी विषय दिखाए हैं। हमने आज के मुद्दे जैसे बॉडी शेमिंग, उम्र बढ़ना और और चीजों को कहानी में दिखाया है। इससे यह मॉडर्न दर्शकों के लिए आसान और समझने लायक बन जाता है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2.0 की चर्चा यह दिखाती है कि अच्छी कहानी समाज के आज के विचार और रिवाजों को दिखाने में कितनी असरदार होती है, और यह अलग-अलग उम्र के दर्शकों को भी जोड़ती है। जैसे-जैसे यह सीरीज सफल हो रही है, यह दिखाती है कि पुरानी बातें और नई सोच का मेल कैसे काम करता है, और यह साफ कर देती है कि दिलचस्प कहानी किसी प्लेटफॉर्म या समय तक सीमित नहीं रहती।

तेरा इलाज तो मैं करवाउंगा...सलमान और खान फैमिली पर लांछन लगाने वाले अभिनव कश्यप को हिंदुस्तानी भाऊ की सीधी चेतावनी

दबंग के डायरेक्टर अभिनव कश्यप ने हाल ही में सलमान खान पर निशाना साधा। अभिनव कश्यप ने कुछ समय पहले स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में सलमान खान को गुंडा तक कह दिया था। साथ ही आरोप लगाया था कि सलमान ने उनका करियरर बर्बाद कर दिया। इसी को लेकर अब हिंदुस्तानी भाऊ ने उन्हें आड़े हाथों ले लिया और खरी-खरी सुना दी। बिग बॉस 13 में नजर आए हिंदुस्तानी भाऊ ने एक वीडियो बनाकर अभिनव कश्यप को खूब लताड़ा। हिंदुस्तानी भाऊ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वह बोल रहे हैं-आपको पता है अनुराग कश्यप ने एक बार बोला था कि सारे ब्राह्मणों पर मूतेगा। याद है? अपुन ने उसकी फुल बजा दी थी। अभी उसका नाम इसलिए लेना पड़ा क्योंकि उसका भाई अभिनव कश्यप का मच मच चालू है। उसने सलमान और उसकी फैमिली को बोला है। वो सलमान के डैडी के बारे में बहुत गलत बात कर रहा है। वो गलत है। अभी आप सोचेंगे कि मैं क्यों सलीम खान, सलमान खान की साइड ले रहा हूं। भाऊ ने आगे बताया-आज से तीन साल पहले मैं इतना काबिल नहीं था। जितना हो सकता था मैं लोगों की उतनी मदद करता था। उस वक्त मेरे साथ तीन साल की एक बच्ची सोफिया कुरेशी थी जो अस्पताल में एडमिट थी। उसके माता-पिता आए थे तो मैं थोड़ा टाइम निकालकर सलीम खान जी के पास गया। तब उन्होंने बिना कुछ सोचे उस बच्ची का पूरा खर्चा उठाया और अस्पताल का सारा बिल भरा। उसके बाद रमेश खंदारे नाम का छोटा बच्चा था। उसकी भी सलीम खान जी ने मदद की। तो ऐसे ही तीन-चार लोगों को मैं मदद के लिए सलीम के पास गया। हिंदुस्तानी भाऊ ने अभिनव कश्यप को चेतावनी दी कि जिनके घर शीशे के होते हैं वो दूसरों के घर पत्थर नहीं फेंकते। भाऊ बोले- तो जिस आदमी ने मेरी बात सुनकर किसी की जान बचाई है और आज उस आदमी के बारे में कोई गलत बोलता है या उस पर कुछ गलत वक्त आता है तो भाऊ उसके लिए खड़ा होता है। ऐसे ही ये अभिनव उनके बारे में बहुत गंदा-गंदा बोल रहा है जो अपने को बर्दाश्त नहीं है। मैं अभिनव तेरे को सिर्फ इतना ही बताता है...अच्छा भाई समझके तेरे को समझा रहा हूं- जिसके खुद के घर शीशे के होते हैं, वो दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं मारते। मैं नहीं चाहता कि मैं तेरी फैमिली के बारे में इधर बोलूं। तेरी पत्नी या तेरे बच्चे के बारे में, तेरे भाई और... समझा ना? हिंदुस्तानी भाऊ ने आगे कहा-अभी देख तेरे भाई ने स्टेटमेंट भी दिया कि मेरे भाई का दिमागी संतुलन खराब है तो मेरा उससे कुछ रिश्ता नहीं। तो भाई अगर तुझे कोई दिमागी या कुछ और तकलीफ है तो मैं तुझे सलीम खान के पास नहीं ले जाऊंगा। मैं खुद तेरा इलाज कराऊंगा।

चीन ने मैक्सिको की आयात शुल्क योजना की जांच शुरू की, कहा- व्यापार और निवेश पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या मेक्सिको की ओर से लगाया जा रहा आयात शुल्क व्यापार और निवेश में बाधा है। मेक्सिको ने घरेलू कारखानों की सुरक्षा के लिए एशिया से आयातित 1,400 से अधिक उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक कर लगाने की योजना बनाई है। चीन ने मैक्सिको के प्रस्तावित टैरिफ को लेकर जांच शुरू कर दी है। बीजिंग यह जानना चाहता है कि क्या ये कर व्यापार और निवेश के लिए बाधा तो नहीं बन रहे हैं। मेक्सिको ने घरेलू कारखानों की सुरक्षा के लिए एशिया से आयातित 1,400 से अधिक उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक कर लगाने की योजना बनाई है। इन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए कड़े शुल्कों के कारण झटका लगा है। चीन ने संयुक्त रूप से टैरिफ का विरोध करने की अपील की गुरुवार को जारी चीनी वाणिज्य मंत्रालय के बयान में कहा गया कि इस टैरिफ से प्रभावित देशों के हितों को नुकसान पहुंचेगा। बयान में कहा गया है कि चीन का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ के वर्तमान दुरुपयोग की पृष्ठभूमि में, सभी देशों को एकतरफावाद और संरक्षणवाद के सभी रूपों का संयुक्त रूप से विरोध करना चाहिए और दबाव के कारण तीसरे पक्ष के हितों का बलिदान नहीं करना चाहिए।

विवादित समुद्री सीमा में घुसा उत्तर कोरियाई जहाज

दक्षिण कोरिया ने की गोलियों की बौछार तो लौटा वापस

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच विवादित समुद्री सीमा उल्लंघन किया गया है। जानकारी के मुताबिक, एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज ने विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा को पार किया, जिसके बाद तमाम चेतवानियों के बाद दक्षिण कोरिया की तरफ से गोलियों की बौछार की गई, तब जाकर उत्तर कोरियाई जहाज वापस लौटा। दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार तड़के चेतावनी गोलियां चलाकर एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज को खदेड़ दिया, जो दोनों देशों के बीच विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा को पार कर गया था। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 5 बजे बैंगनयोंग द्वीप के पास हुई। सेना ने पहले जहाज को ऑडियो संदेश के जरिए चेतावनी दी और फिर चेतावनी गोलियां चलाईं, जिसके बाद जहाज तुरंत लौट गया। अभी तक यह जानकारी नहीं मिली है कि उत्तर कोरिया ने गोलीबारी का जवाब दिया या किसी तरह की ताकत का इस्तेमाल किया। वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा कि यह कार्रवाई तय सैन्य प्रक्रिया के तहत की गई और सेना अपनी समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। नॉर्दर्न लिमिट लाइन है विवाद की वजह दोनों देशों के बीच यह समुद्री सीमा, जिसे नॉर्दर्न लिमिट लाइन (एनएलएल) कहा जाता है, ठीक से चिह्नित नहीं है। इस वजह से यहां अक्सर टकराव की घटनाएं होती रहती हैं। 2010 में उत्तर कोरिया ने एक दक्षिण कोरियाई द्वीप पर गोलाबारी की थी और एक नौसैनिक जहाज पर कथित तौर पर टॉरपीडो हमला किया था, जिनमें 50 दक्षिण कोरियाई नागरिक मारे गए थे। उत्तर कोरिया समुद्री सीमा को नहीं देता मान्यता बता दें कि, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने जनवरी 2024 में कहा था कि उनका देश इस सीमा को मान्यता नहीं देता। उनका दावा है कि वास्तविक सीमा और आगे दक्षिण कोरिया के नियंत्रण वाले समुद्री क्षेत्र में आती है। इससे पहले 2022 में भी दोनों देशों ने चेतावनी गोलियां चलाई थीं, जब एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज ने इसी समुद्री सीमा को पार किया था। कोरियाई प्रायद्वीप पर लगातार बढ़ रहा तनाव फिलहाल, कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया की बातचीत फिर से शुरू करने की अपील को नजरअंदाज कर रहा है और किम जोंग उन लगातार अपने हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही, फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से उत्तर कोरिया और रूस के बीच संबंध भी और गहरे हो गए हैं।

आयरिश हिप-हॉप ग्रुप नीकैप के सदस्य पर आतंकवाद से जुड़े आरोप खारिज, फहराया था हिजबुल्ला का झंडा

लंदन (एजेंसी)। लंदन की वूलविच क्राउन कोर्ट ने आयरिश हिप-हॉप ग्रुप नीकैप के रैपर मो चारा पर लगे आतंकवाद से जुड़े आरोप को तकनीकी खामी के चलते खारिज कर दिया। उन पर पिछले साल कॉन्सर्ट में हिजबुल्ला का झंडा लहराने का आरोप था। अदालत ने इसे गैरकानूनी कार्यवाही बताया। लंदन की वूलविच क्राउन कोर्ट ने आयरिश भाषा में गाने वाले हिप-हॉप ग्रुप नीकैप के सदस्य और रैपर मो चारापर लगे आतंकवाद से जुड़े आरोप को शुक्रवार को खारिज कर दिया। रैपर का असली नाम लियाम ओग ओ हनैधी है। इन पर आरोप था कि इन्होंने पिछले साल लंदन के एक कॉन्सर्ट में हिजबुल्ला का झंडा लहराया था, जिसे ब्रिटेन ने आतंकी संगठन घोषित किया है। नीकैप ग्रुप कई बार विवादों में रहा है। उस पर आरोप है कि वह अपने बयानों और प्रदर्शनों से हमास और हिजबुल्ला जैसे संगठनों की महिमा गान करता है। हंगरी और कनाडा पहले ही इस ग्रुप पर बैन लगा चुके हैं। वहीं, ब्रिटेन में भी इसकी गतिविधियां लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में हैं। फलस्तीन मुद्दे पर बैंड का रुख बैंड ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि आलोचक उन्हें चुप कराना चाहते हैं क्योंकि वे फलस्तीन के पक्ष में खुलकर आवाज उठाते हैं। उनका कहना है कि वे न तो हिजबुल्ला और हमास का समर्थन करते हैं और न ही हिंसा का समर्थन करते हैं। उन्होंने अपने रुख को मानवीय मुद्दा बताया है, न कि राजनीतिक। रैपर मो चारा का पक्ष 27 वर्षीय मो चारा ने अदालत में कहा कि यह मुकदमा पूरी तरह से राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उनके अनुसार, यह उनके बैंड को दबाने और उनकी फलस्तीन समर्थक आवाज को रोकने की कोशिश है। उन्होंने जोर दिया कि उनका मकसद किसी भी तरह से आतंकी संगठनों को समर्थन देना नहीं है। ब्रिटेन में राजनीतिक बहस इस मामले ने ब्रिटेन में राजनीतिक और सामाजिक बहस को भी हवा दी है। जहां कई लोग नीकैप को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' का उदाहरण मान रहे हैं।

द्वीपों पर फिर टकराया शक्तिशाली तूफान, चार की मौत; सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए लाखों लोग

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस में एक और उष्णकटिबंधीय तूफान 'बुआलोई' ने दस्तक दी, जिससे अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है और 4.33 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तूफान ने बिजली गुल कर दी, बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा कर दी, जबकि पहले आए तूफान 'रगासा' से 25 लोगों की जान गई थी। फिलीपींस के द्वीपों पर एक और उष्णकटिबंधीय तूफान आफत बनकर आया। इसमें चार लोगों की जान चली गई और 4,33,000 से अधिक लोगों को बाढ़ और भूस्खलन संभावित इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। तूफान बुआलोई, जो कि ताजा वायुचक्रों में से एक है, पूर्वी सामर प्रांत के सान पोलिकार्पो कस्बे में लगभग 110 किमी/घंटा की हवाओं के साथ पहुंचा। इसने बिजली काट दी, बाढ़ मचाई और दो छोटे भूस्खलन की घटना भी हुई। तूफान 'बुआलोई' रात में फिलीपींस में टकराने के बाद अब कमजोर हो चुका है। यह प्रशांत महासागर से लगातार आ रहे तूफानों में से सबसे ताजा तूफान है, जिसने एशिया को भी प्रभावित किया है। इससे पहले तूफान रगासा आया था। यह पिछले कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफान था। इसने उत्तरी फिलीपींस और ताइवान में 25 लोगों की जान ली। अधिकांश मौतें बाढ़ के कारण हुईं। इसके बाद यह तूफा चीन से टकराया और फिर वियतनाम के ऊपर जाकर धीर-धीरे खत्म हो गया। देश की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने यह जानकारी दी। मस्बाते प्रांत में चार लोगों की मौत हुई। इनमें एक की पेड़ गिरने से, एक की दीवार ध्वस्त होने से, एक की मलबे के गिरने से हुई। जबकि एक व्यक्ति पर बिजली गिरी। बचाव अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश सड़कों पर फंसे लोगों के लिए भोजन और प्राथमिक चिकित्सा सामग्री पहुंचाना मुश्किल हो गया है।

रोबोट/एआई-बॉट से विदेशी मुद्रा व्यापार, 5-6 % मासिक रिटर्न का वादा, ठगी करने वाला 'नवाब' अब हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और असम में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। इसके बाद ईडी ने अपराध की आय जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले यूपी स्थित एजेंट 'नवाब' हसन को पीएमएलए, 2002 के तहत गिरफ्तार किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने निर्दोष लोगों को गुमराह करने और क्यूएफएक्स/वाईएफएक्स/बॉटब्रो/बॉटअल्फा/क्रॉसएप्ला/माइनक्रिप्टो घोटाले के माध्यम से अपराध की आय जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले यूपी स्थित एजेंट 'नवाब' हसन को पीएमएलए, 2002 के तहत गिरफ्तार किया है। न्यायालय ने आरोपी को 9 दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेजा है। ईडी ने आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और असम में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। ईडी के मुताबिक, यह पिरामिड घोटाला कई राज्यों में फैला है। रोबोट/एआई-बॉट आधारित विदेशी मुद्रा व्यापार के माध्यम से 5-6% के उच्च मासिक रिटर्न का वादा करके, आरोपी धन इकट्ठा करने के लिए भुगतान एग्रीगेटर और यूएसडीटी जैसी आभासी मुद्राओं का उपयोग कर रहे हैं। एक बार निवेश करने के बाद, पहचान पत्र नष्ट कर दिए जाते हैं। कुछ महीनों के बाद भुगतान रोक दिया जाता है। निवेश से उत्पन्न पीओसी को मुख्य आरोपी के करीबी सहयोगियों के नाम पर संपत्ति खरीदने और विलासिता खर्च के लिए संयुक्त अरब अमीरात में भेज दिया जाता है। ईडी की जांच से पता चला है कि नवाब 'ब्लू डायमंड एक्जीक्यूटिव' के पद पर एक वरिष्ठ फील्ड लीडर के रूप में काम करता था। उसने अपने अधीन 10,000 से ज्यादा निवेशकों का आधार तैयार किया था। वह पहले पेमेंट एग्रीगेटर्स और बाद में यूएसडीटी के जरिए नकदी इकट्ठा कर उसे निवेश करता था। साथ ही दुबई स्थित मास्टरमाइंड - लविश चौधरी, जिसे नवाब के नाम से भी जाना जाता है, उसके साथियों के साथ समन्वय करता था। पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि प्लेटफॉर्म पर कभी कोई वास्तविक विदेशी मुद्रा व्यापार नहीं हुआ। निवेशक डैशबोर्ड में नाममात्र शेष राशि दिखाई देती थी, जबकि नए संग्रह का उपयोग लंबित भुगतानों के लिए किया जाता था। वह फरार मास्टरमाइंड लविश चौधरी से मिलने के लिए अक्सर यूएई जाता रहा है। अब वह फिर से दुबई जाने की योजना बना रहा था। नए निवेशकों में विश्वास जगाने के लिए उसने लविश चौधरी के साथ जूम कॉल मीटिंग में भी हिस्सा लिया। इससे पहले, शामली स्थित उसके घर की तलाशी में आम निवेशकों से धोखाधड़ी करके अर्जित 94.23 लाख रुपये की आपराधिक आय (पीओसी) बरामद हुई थी। ईडी की यह कार्रवाई क्यूएफएक्स घोटाले में शामिल संचालकों पर किए गए एक्शन के बाद हुई है। ईडी द्वारा हाल ही में 17.09.2025 को गिरफ्तार किए गए शीर्ष एजेंट हरिंदर पाल सिंह पिछले 8 दिनों से ईडी की हिरासत में हैं, जिन्होंने कई खुलासे किए हैं। उसने नवाब की पहचान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख एजेंट के रूप में की, जो वर्तमान में इस क्षेत्र में सक्रिय है। 26.08.2025 को जारी 9.49 करोड़ रुपये के एक हालिया अनंतिम कुर्की आदेश के तहत आरोपी, उसके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों द्वारा अर्जित 45 अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है।

भारतीय एयरलाइन कंपनियों पर बढ़ेगी सरकारी निगरानी

अब पहले के मुकाबले इन कामों पर होगा ज्यादा फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में त्योहारी सीजन की शुरूआत हो चली है। ट्रेनों के टिकट फुल होने के बाद यात्रियों के पास अब फ्लाइट का विकल्प बचा है। टिकट महंगे होने के बावजूद लोग घर जाने के लिए फ्लाइट का सहारा ले रहे है। इस बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने भारत में विमानन क्षेत्र में तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए एयरलाइंस पर सख्त निगरानी रखने की जरूरत बताई है। डीजीसीए से जुड़े अफसरों का कहना है कि, भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानान बाजारों में से एक है। आने वाले दिनों में हजारों नए विमान आने वाले है, लेकिन जून में हुए एयर इंडिया हादसे ने सुरक्षा मानकों पर निगरानी को और सख्त कर दिया है। ऐसे सरकार ज्यादा जिम्मेदारी, ज्यादा सुरक्षा निगरानी और ज्यादा जनशक्ति पर फोकस कर रही है। देश में पिछले एक दशक में वाणिज्यिक विमानों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। जबकि आने वाले समय में एयरलाइंस ने करीब 2,000 नए विमान ऑर्डर किए हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी संख्या में विमानों के संचालन के लिए सुरक्षा और नियामक ढांचे को मजबूत करना जरूरी होगा, ताकि बढ़ते हवाई यातायात के साथ किसी तरह की चूक न हो। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी की त्रैवार्षिक महासभा मॉन्ट्रियल में आयोजित हुई। इसमें नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए है। इस महासभा में भारत के एविएशन सेक्टर को लेकर भी चर्चा हुए। इसमें सामने आया कि भारत का विमानन बाजार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वालों में से एक है। लेकिन जून में हुए एयर इंडिया विमान हादसे ने सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हुई थी, जो पिछले एक दशक में सबसे बड़ी दुर्घटना मानी जा रही है। सरकारी प्रारंभिक रिपोर्ट में संकेत मिला है कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान के फ्यूल इंजन स्विच लगभग एक साथ रन से कटऑफ मोड में चले गए, जिससे पायलटों में भ्रम की स्थिति पैदा हुई और यह हादसा हो गया। दरअसल, भारतीय विमानन क्षेत्र इस समय पायलटों की कमी का सामना कर रहा है। हाल ही में संसद की एक समिति ने चेतावनी दी कि हवाई सुरक्षा नियामक में स्टाफ की कमी सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है। जुलाई में नियामक द्वारा जारी रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय एयरलाइंस में 263 सुरक्षा संबंधी चूक दर्ज की गईं है। हालांकि वर्तमान में भारत के विमानन बाजार में इंडिगो और एयर इंडिया एयरलाइंस का दबदबा है, लेकिन बढ़ती यात्रा मांग नई एयरलाइंस के लिए अवसर पैदा कर रही है। डीजीसीए अधिकारियों का कहना है कि, जिस रफ्तार से इस सेक्टर की वृद्धि हो रही है, उसमें और एयरलाइंस के लिए जगह है। अगर नए प्लेयर्स आते हैं, तो निश्चित ही उन्हें अवसर मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ के आंकड़ों पर नजर डाले तो वर्ष 2024 में भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर रिकॉर्ड 17.4 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी, जबकि चीन में यह संख्या 73 करोड़ रही है।

रूस ने डीजल और पेट्रोल के निर्यात पर लगाया आंशिक प्रतिबंध, यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बाद लिया फैसला

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूस की तेल शोधन (रिफाइनिंग) क्षमता में भारी गिरावट आई है। कुछ दिनों में ही यह गिरावट लगभगत पांचवां हिस्सा तक पहुंच गई, जिससे रूस के प्रमुख बंदरगाहों से ईंधन का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। इन हालात के बीच रूस ने डीजल और पेट्रोल के निर्यात पर आंशिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है, जो साल के अंत तक लागू रहेगा। उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने गुरुवार को यह घोषणा की। नोवाक ने कहा, हम पेट्रोल निर्यात पर प्रतिबंध को साल के अंत तक बढ़ाएंगे और डीजल ईंधन के गैर-उत्पादकों के लिए निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि देश में तेल उत्पादों की थोड़ी कमी है, लेकिन मौजूदा भंडार से मांग पूरी नहीं की जा सकती है। इस बीच, रूस के नियंत्र वाले क्रीमिया के प्रमुख सर्गेई अक्स्योनोव ने बताया कि ईंधन की आपूर्ति में बाधा रिफाइनरियों के बंद होने के कारण आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीजल निर्यात पर लगा नया प्रतिबंध मुख्य रूप से बिचौलियों पर लागू होता है, न कि उत्पादकों पर। लेकिन रूस से डीजल का बड़ा हिस्सा सीधे उत्पादकों द्वारा उत्तरी और दक्षिण पाइपलाइनों के जरिये बाल्टिक और काला सागर के बंदरगाहों तक पहुंचाया जाता है। 2024 में रूस ने लगभग 86 मिलियन मीट्रिक टन डीजल का उत्पादन किया, जिसमें से करीब 31 मिलियन टन का निर्यात हुआ।

अवैध तरीके से अमेरिका पहुंचे भारतीय को किया गया गिरफ्तार, 18-व्हीलर ट्रक से वाहनों को टक्कर मारने का आरोप

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने पिछले साल कैलिफोर्निया में ट्रक चलाते हुए कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। इस घटना में एक पांच साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई और उसकी जिंदगी पूरी तरह से बदल गई। यह व्यक्ति कथित तौर पर अवैध रूप से अमेरिका आया था। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसी) ने पिछले महीने आरोपी प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया था। उसे तब तक आईसीई की हिरासत में रखा गया है, जब तक कि उसका आव्रजन का मामला तय नहीं हो जाता। आईसीई ने बताया कि जून 2024 प्रताप सिंह ने कैलिपोर्निया में एक वाणिज्यिक 18 पहियों वाले ट्रक को चलाते हुए कई वाहनों कई कारों की टक्कर करवाई। गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के एक बयान में कहा गया कि प्रताप सिंह ने अक्तूबर 2022 में अमेरिका की दक्षिण सीमा को अवैध तरीके से पार किया था और तब बाइडन प्रशासन ने उसे रिहा कर दिया था। कैलिफोर्निया राजमार्ग पुलिस (सीएचपी) की दुर्घटना पर रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रताप सिंह ने असुरक्षित गति से वाहन चलाया और ट्रैफिक व निर्माण क्षेत्र में भी नहीं रुका। प्रताप सिंह को कैलिफोर्निया के मोटर वाहन विभाग (डीएमवी) की ओर से वाणिज्यिक चालक का लाइसेंस जारी किया गया था। दुर्घटना में पांच वर्षीय डलिलाह कोलमेन को गंभीर और जीवन को बदल देने वाली चोटें आई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, उसकी हालत इतनी खराब हो गई कि वह चल नहीं सकती, बोल नहीं सकती, आम भोजन नहीं कर सकती। इस वजह से वह किंडरगार्टन नहीं जा सकीं। उसे तीन हफ्ते कोमा में रखा गया और छह महीने अस्पताल में उपचार हुआ।

ट्रंप से मुलाकात के लिए इंतजार करते रहे शहबाज-मुनीर

व्हाइट हाउस से बैठक के तस्वीर-वीडियो तक जारी नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रंप ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन से गुरुवार को ही मुलाकात की थी। इसकी तस्वीरें और मीडिया से दोनों की बातचीत का वीडियो भी व्हाइट हाउस की तरफ से जारी किया गया था। हालांकि, पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्षों के साथ ट्रंप की तस्वीरें या वीडियो व्हाइट हाउस की तरफ जारी न होना कई लोगों में कौतूहल पैदा कर गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से व्हाइट हाउस में मुलाकात की। हालांकि, इस बैठक में किस बात पर चर्चा हुई, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है। ट्रंप पहले ही मीडिया से बातचीत के दौरान बैठक में देर होने की बात कह चुके थे। हालांकि, अब एक और पहलू ने इस मुलाकात को रहस्यमयी बना दिया है। दरअसल, व्हाइट हाउस की तरफ से ट्रंप-शरीफ-मुनीर की बातचीत को लेकर कोई तस्वीर या वीडियो बैठक के कई घंटों बाद भी जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि व्हाइट हाउस में यह प्रथा रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक से पहले उनकी और उनसे मुलाकात करने वाले राष्ट्राध्यक्षों की तस्वीर रिलीज होती है। कई बार बैठक के बाद भी व्हाइट हाउस बैठकों की तस्वीर या वीडियो रिलीज करता है। इन सबसे इतर ट्रंप बैठक के बाद संबंधित राष्ट्राध्यक्ष के साथ मीडिया से अनौपचारिक या औपचारिक तौर पर मुखातिब होते हैं। हालांकि, पाकिस्तान के मामले में ऐसी कोई भी तस्वीर या वीडियो अब तक व्हाइट हाउस ने जारी नहीं किया है। गौरतलब है कि गुरुवार को ही ट्रंप ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन से मुलाकात की थी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।

E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।